दैनिक
कीर्तिप्रभा
खबरों के सच का निर्भीक आइना

■ रीवा ■ भोपाल से एक साथ
वर्ष: 28, अंक: 350 पृष्ठ 12, रीवा

शुक्रवार 11 सितम्बर 2026
मूल्य: 3.00 रुपए

सागर शराब त्रासदी पर खड़गे का वार...... जवाबदेही से भाग रही डबल इंजन सरकार

नई दिल्ली मध्य प्रदेश के सागर जिले में जहरीली शराब त्रासदी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने राज्य में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा लांघ दी है और लापरवाही के चलते अब लोगों की जान की कोई कीमत नहीं रही।

कांग्रेस नेता खड़गे ने जानकारी दी कि सागर में जहरीली शराब पीने से 31 लोगों की दुखद मौत हो चुकी है, जबकि 11 अन्य अब भी जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। उन्होंने इन 31 परिवारों के उजड़ने पर दुख व्यक्त कर कहा कि किसी ने अपना बेटा, किसी ने पिता, किसी ने पति खोया है, लेकिन भाजपा सरकार के लिए यह महज एक और हादसा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि पिछले 22 सालों से भाजपा का यही तरीका रहा है। उन्होंने मोहन सरकार की घेराबंदी कर कई अन्य घटनाओं का भी जिक्र किया, जिसमें बालाघाट में 27 से अधिक बच्चों की मौत, इंदौर में दूषित पानी से 36 लोगों की जान जाना और जहरीली कफ सिरप से 25 बच्चों की मौत शामिल है। कांग्रेस नेता खड़गे ने बताया कि सीधी में एक साल के भीतर 53 प्रसूताओं की मौत हो गई, जो मोहन सरकार की घोर लापरवाही दर्शाती है।

यूपी में बारिश से मंदिर और कई मकान गंगा में समाए

बिहार में बाढ़ से हालात खराब, करीब 40 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

नई दिल्ली,। यूपी में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। बरेली में प्राचीन मंदिर रामगंगा नदी में समा गया, जबकि बाराबंकी में सरयू के पानी में कई मकान डूब गए। फर्रुखाबाद में 10 दिन में 15 मकान गंगा में समा चुके हैं। यहां 26 जिलों में बाढ़ से चार लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बिहार के 14 जिलों में बाढ़ आई हुए है। 40 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर और बेगूसराय के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक सितंबर में बिहार में 83.6 मिमी बारिश हो चुकी है। यह सामान्य से 24फीसदी ज्यादा है। जानकारी के मुताबिक बिहार के भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा का पानी 36.78 मीटर तक पहुंच गया है। तिलकामांझी यूनिवर्सिटी में गंगा का पानी घुस गया है। टीचर्स और छात्र आने-जाने के लिए नाव का सहारा ले रहे हैं।

वहीं मध्यप्रदेश और राजस्थान में बारिश का दौर थमा है।

मध्यप्रदेश में अगले 3 दिन तेज बारिश की संभावना नहीं है। राजस्थान में 11 सितंबर से बारिश शुरू हो सकती है। बुधवार को यहां 10 शहरों में तापमान 35 डिग्री से ऊपर रहा। उत्तराखंड के देहरादून, टिहरी, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में गुरुवार को भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं हरिद्वार, पौड़ी और उत्तरकाशी में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-बौछारें पड़ सकती हैं। राज्य के बाकी हिस्सों में भी कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में कहीं-कहीं गरज के साथ आकाशीय बिजली और तेज बारिश हो सकती है।

उत्तरप्रदेश के 36 जिलों में गुरुवार बारिश का अलर्ट जारी है, इनमें 22 जिलों में तेज बारिश हो सकती है। बीते 24 घंटे में 32 जिलों में 2.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई। 1 जून से अब तक प्रदेश में 651.5 मिमी बारिश हो चुकी है, यानी कोटा पूरा हो चुका है। लगातार बारिश से 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं और करीब 4 लाख लोग प्रभावित हैं।

मौसम विभाग ने राजस्थान में 11 सितंबर से बारिश का दौर शुरू होने की उम्मीद जताई है। शुक्रवार को 5 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इसके बाद 12 और 13 सितंबर को भरतपुर, जयपुर, अजमेर, कोटा और उदयपुर संभाग के इलाकों में भी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। प्रदेश के 10 शहरों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया।

अमेरिका से प्रत्यर्पित 10 साल से फरार आरोपी हरनेक सिंह दिल्ली में गिरफ्तार

नई दिल्ली, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने धोखाधडी के मामले में 10 साल से अधिक समय से फरार चल रहे आरोपी हरनेक सिंह को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया। हरनेक सिंह के खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस और लुक-आउट सर्कुलर जारी था। जल्द ही हरियाणा के पंचकूला स्थित सीबीआई मामलों के विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया जाएगा।

कार के नीचे चैंबर बनाकर छिपा रखा था 90 किलो गांजा

तिरुवनंतपुरम केरलम में तिरुवनंतपुरम के वेल्लारडा में गुरुवार को एक कार से करीब 90 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया साथ ही उसमें सवार दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अखिल और सुबीश के रूप में हुई है। तिरुवनंतपुरम ग्रामीण पुलिस की जिला मादक पदार्थ निरोधक एवं विशेष कार्रवाई बल की टीम ने गुरुवार तड़के वेल्लारडा और कट्टाकड़ा के बीच एक स्थान पर उनकी कार को रोककर तलाशी ली।

सुप्रीम कोर्ट ने डॉन अबू सलेम की रिहाई से जुड़ी याचिका की खारिज

नई दिल्ली,सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट के दोषी और डॉन अबू सलेम की रिहाई से जुड़ी याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने यह फैसला सुनाया। अबू सलेम ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिला की थी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए सलेम की याचिका को खारिज कर दिया।

पूर्व कैबिनेट मंत्री भगत चुन्नी लाल का निधन, पंजाब में आधा दिन का अवकाश घोषित

चंडीगढ़ । पंजाब के पूर्व मंत्री भगत चुन्नी लाल का गुरुवार को निधन हो गया। वह 93 साल के थे। उनके बेटे और पंजाब सरकार में कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने इसकी जानकारी दी।

चुन्नी लाल ने जालंधर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि चुन्नी लाल भगतजी अब हमारे बीच नहीं रहे। उनके निधन से हम बेहद दुखी हैं। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को शाम पांच बजे जालंधर में किया। चुन्नी लाल के निधन के बाद पंजाब सरकार ने आधे दिन के अवकाश की घोषणा की।

बैंक कर्मचारियों की हड़ताल, शाखाओं का कामकाज होगा प्रभावित

नई दिल्ली। देशभर के बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों के संयुक्त मंच यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 11 सितंबर को राष्ट्रव्यापी हड़ताल करने का अपना फैसला बरकरार रखा है। सरकार और बैंक यूनियनों के बीच हड़ताल टालने को लेकर हुई बातचीत में कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई, जिससे अब यह हड़ताल तय मानी जा रही है। यूनियनों की सबसे बड़ी मांग है कि बैंकों में हफ्ते में पांच दिन का काम लागू किया जाए और जब तक सरकार इस पर स्पष्ट फैसला या इसे लागू करने की तय डेडलाइन नहीं बताती, तब तक हड़ताल वापस लेने का सवाल नहीं है।

बैंक यूनियनों ने 11 सितंबर की हड़ताल को अपने बड़े आंदोलन की शुरुआत बताया है। अगर उनकी मांगों पर समाधान नहीं निकलता है, तो उन्होंने 28 से 30 सितंबर तक तीन दिन की देशव्यापी हड़ताल और उसके बाद 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है। देश के सबसे बड़े बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी दी है कि उसने 11 सितंबर की हड़ताल का नोटिस मिला है और उसने सामान्य कामकाज बनाए रखने के लिए इंतजाम किए हैं, लेकिन सेवाओं के प्रभावित होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। बैंक शाखाओं में सामान्य कामकाज पर असर पड़ सकता है। नकद जमा, चेक क्लियरेंस, केवाईसी, लोन से जुड़े काम जैसी सेवाओं में देरी या रुकावट आ सकती है। हालांकि, डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम जैसी कुछ सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहने की उम्मीद है, फिर भी तकनीकी समस्याओं या रखरखाव के कारण किसी बैंक की सेवा प्रभावित हो सकती है।

इस्माइली समुदाय के 50वें इमाम की पीएम मोदी से मुलाकात

प्रिंस रहीम आगा खान पंचम ने साझेदारी और मजबूत करने पर की चर्चा

नई दिल्ली,। भारत की यात्रा पर आए इस्माइली समुदाय के 50वें इमाम प्रिंस रहीम आगा खान पंचम ने गुरुवार को पीएम मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने कई क्षेत्रों में साझेदारी और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने एक्स जरिए से इसकी जानकारी दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा- प्रिंस रहीम आगा खान पंचम से मिलकर खुशी हुई। उनके पिता, स्वर्गीय आगा खान चतुर्थ और विकास कार्यों में उनके अहम योगदान को याद किया।

उन्होंने लिखा- हमने हेल्थकेयर, खेती, ग्रामीण विकास, और युवाओं व महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्रों में आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। इससे पहले खान विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मिले। मुलाकात के बाद एक्स पर जयशंकर ने लिखा कि प्रिंस रहीम आगा खान पंचम से मिलकर खुशी हुई। आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क द्वारा सामाजिक विकास और विरासत संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रभावशाली कार्यों पर चर्चा की। साथ ही और भारत और विदेशों में संभावनाओं को लेकर मंथन किया।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस्माइली समुदाय के 50वें इमाम प्रिंस रहीम आगा खान पंचम बुधवार को भारत पहुंचे थे।

प्रियंका गांधी का नाम और आवाज इस्तेमाल कर लोगों को ठगने की कोशिश

कार्यालय ने जारी किया स्कैम अलर्ट, लोगों से की ऐसे फर्जी निवेश से बचने की अपील

नई दिल्ली,। सांसद प्रियंका गांधी के नाम और उनकी आवाज का इस्तेमाल कर साइबर ठग लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। इसको लेकर प्रियंका गांधी के कार्यालय ने इंस्टाग्राम पर गुरुवार को स्कैम अलर्ट जारी किया। कार्यालय ने बताया कि वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रियंका गांधी की एआई से बनी फर्जी फोटो और आवाज वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में लोगों से पैसे निवेश करने को कहा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यालय ने साफ कहा है कि ये सभी वीडियो स्कैम हैं। लोगों से अपील की गई है कि ऐसे किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही निवेश करें। ऐसे पोस्ट को रिपोर्ट और ब्लॉक करें।

राहुल गांधी से मीटिंग में ही भिड़ गए मंत्री
बेटी बचाओ योजना पर हुई तकरार

रायबरेली(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में दिशा की बैठक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें सांसद राहुल गांधी और राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के बीच बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के बजट को लेकर सवाल-जवाब होता दिखाई दे रहा है। वायरल वीडियो को राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किया है। उन्होंने राहुल गांधी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि बैठक में योजनाओं की कमियां तलाशने पर ज्यादा जोर दिया गया।मंत्री के मुताबिक, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना की चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने प्रचार-प्रसार के मद में बजट की जानकारी मांगी। दिनेश सिंह ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें योजना की जानकारी होनी चाहिए, अन्यथा वे अनुश्रवण और समन्वय कैसे करेंगे। उन्होंने राहुल गांधी पर नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में अधिक रहने का आरोप भी लगाया। दिनेश प्रताप सिंह ने अपनी पोस्ट में लिखा, आपकी असली मंशा सरकार की इस पवित्र योजना जो भारत की मातृशक्ति के सम्मान को समर्पित है का लाभ जन जन तक पहुंचे इस पर नहीं सिर्फ खामी ढूंढने में है। इसके अलावा, लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं रायबरेली से कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में क्षेत्र की खराब सड़कों की तस्वीरें दिखाकर अधिकारियों से जवाब मांगा।

ई20 प्रोग्राम की सफलता के बाद अब गाड़ियों में डलेगा 20फीसदी से ज्यादा एथेनॉल

नई दिल्ली, सरकार फ्लेक्सी-फ्यूल वाहनों की मदद से मौजूदा ई20 के लेवल से ज्यादा इथेनॉल ब्लेंडिंग की इजाजत देने की तैयारी कर रही है। पीएम मोदी के सलाहकार तरुण कपूर ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। सरकार का मानना है कि अब देश में इथेनॉल का उत्पादन हमारी मौजूदा जरूरतों से ज्यादा होने लगा है इसलिए अब ई20 की सीमा को पार कर आगे बढ़ने का सही समय आ गया है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तरुण कपूर ने कहा कि ई20 प्रोग्राम अब तक बहुत सफल रहा है और कई ऑटोमोबाइल कंपनियों ने जल्द ही फ्लेक्सी-फ्यूल गाड़ियां लॉन्च करने के अपने प्लान का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि अब हमारा फोकस फ्लेक्सी-फ्यूल वाहनों को लाने और ई20 से ज्यादा परसेंट तक ब्लेंडिंग की अनुमति देने पर है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे वाहनों के आने के साथ-साथ फ्यूल आउटलेट्स पर शुद्ध इथेनॉल की उपलब्धता भी बढ़ानी होगी। उन्होंने आगे यह भी कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बीच बायोफ्यूल को बढ़ावा देना और भी जरूरी हो गया है। इस संकट ने सप्लाई को बाधित किया है और कच्चे तेल की कीमतों को करीब 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा दिया है, साथ ही इनके और बढ़ने की आशंका भी है।भारत अपनी जरूरत का करीब 80फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है इसलिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी भारत के लिए चिंताजनक है क्योंकि इससे इम्पोर्ट में खर्च ज्यादा आएगा, डॉलर ज्यादा खर्च होंगे और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ेगा। अब जब इस बीच देश में चीनी और मक्के से बनने वाले इथेनॉल की उत्पादन क्षमता बढ़ी ही है, तो इस अतिरिक्त इथेनॉल का इस्तेमाल क्यों न किया जाए। इसे खपाने का सबसे बेहतरीन जरिया फ्लेक्सी-फ्यूल गाड़ियां हैं। अभी सड़कों पर चल रही साधारण गाड़ियां अधिकतम ई20 तक का ही ईंधन झेल सकती हैं।

पैकेज्ड फूड पर सुप्रीम कोर्ट सख्त- चेतावनी लेबल पर राष्ट्रीय हित में विचार करें

-बच्चों के स्वास्थ्य पर बढ़ते खतरे को लेकर चिंतित

नई दिल्ली,। सुप्रीम कोर्ट ने पैकेज्ड फूड पर चेतावनी लेबल लगाने को लेकर सख्ती दिखाकर बच्चों के स्वास्थ्य पर बढ़ते खतरे को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये चाहता है कि फूड सेफ्टी से जुड़े सभी लोग ज्यादा नमक, चीनी और फैट वाले पैकेज्ड प्रोडक्ट्स के पैकेट के सामने चेतावनी वाले लेबल लगाने के मुद्दे पर राष्ट्रीय हित में विचार करें। जस्टिस जेबी पारदीवाला और के विनोद चंद्रन की पीठ ने गंभीर मामला बताकर स्टेकहोल्डर्स से जानकारी मांगने के लिए आदेश जारी करने की बात कही। पीठ ने दो टूक कहा कि , हमें सिर्फ लोगों, खासकर बढ़ते बच्चों की सेहत की चिंता है। हम चाहते हैं कि सभी संबंधित लोग राष्ट्रीय हित में मामले पर विचार करें। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि कोर्ट ने इस मुद्दे पर कुछ होमवर्क किया है और पक्षों से अपलोड होने वाले आदेश का अध्ययन करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को तय की गई है।एक याचिका पर सुनवाई के दौरान, पीठ ने फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (एफएसएसएआई) से सवाल किया कि पैकेज्ड फूड प्रोडक्ट्स में मौजूद चीजों की जानकारी हमेशा पैकेट के पीछे होती है, लेकिन क्या अथॉरिटी ने ऐसी कोई गाइडलाइन बनाई है कि अगर कोई चीज़ निर्धारित सीमा से ज्यादा हो, तब उस ज्यादा चीनी, नमक या फैट वाला माना जाए? एफएसएसएआई की ओर से पेश सीनियर वकील मनिंदर सिंह ने जवाब दिया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पैकेट के पीछे 100 ग्राम की मात्रा और प्रति सर्विंग मात्रा के आधार पर जानकारी देना ज़रूरी होता है। एफएसएसएआई ने इसके पहले सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि उसने उन खाद्य उत्पादों के लिए लाल रंग का एक साफ दिखने वाला फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी लेबल लगाने का प्रस्ताव दिया है जिसमें सैचुरेटेड फैट, चीनी और नमक की मात्रा ज्यादा होती है। दाखिल हलफनामे में एफएसएसएआई ने कहा कि इस प्रस्ताव का मकसद उपभोक्ताओं को उन खाद्य उत्पादों के बारे में सरल, साफ़ और आसानी से समझ में आने वाली चेतावनी देना है जिसमें चिंताजनक पोषक तत्व ज्यादा मात्रा में होते हैं। आईसीएमआर-एनआईएन के दिशानिर्देशों पर आधारित, यह लाल षट्कोणीय (छह कोनों वाला) लेबल उन उत्पादों पर लगेगा जिसमें अतिरिक्त सैचुरेटेड फैट, अतिरिक्त चीनी और नमक में से कोई दो या अधिक मात्रा में हों। लेबल पर ज्यादा फैट, ज्यादा चीनी, ज्यादा नमक और/या बहुत ज्यादा मीठा पेय जैसी जानकारी लिखी होगी।

वहीं सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत ने सुझाव दिया कि केंद्र सरकार कुरकुरे जैसे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड स्नैक को पौष्टिक भोजन के बराबर मान रही है, जिस पर ज्यादा सख्त चेतावनी होनी चाहिए। उन्होंने लाल-हरे के बजाय किसी और रंग का सुझाव दिया, इस

आतंकियों ने फिर कश्मीरी पंडितों को धमकी भरी चिट्ठी भेजी

-महज एक महीने में छह धमकियां, पीएम पैकेज के तहत काम करने वालों में भय व्याप्त

श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को एक बार फिर आतंकी धमकी मिली है। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल (यूएलसी) की ओर से कश्मीरी पंडितों के नाम कथित तौर पर एक और धमकी भरी चिट्ठी जारी की गई है। बताया जा रहा है कि एक महीने के भीतर ऐसी यह छठी चिट्ठी है। इस बार प्रधानमंत्री पैकेज के तहत जम्मू-कश्मीर में काम कर रहे कश्मीरी पंडित कर्मचारी निशाने पर हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि धमकी में कर्मचारियों के फोन नंबर, पते और वाहनों की जानकारी का भी जिक्र किया गया है। चिट्ठी में गैर-स्थानीय कर्मचारियों के शव उनके घर भेजने की धमकी दी गई है। धमकी के बाद ऑल पीएम पैकेज एम्प्लॉइज एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री और उपराज्यपाल से मामले की जांच कराने और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

सोना 182 रुपए सुस्त, चांदी 907 रुपए नरम

नई दिल्ली। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने वैश्विक बाजारों में महंगाई की चिंता और ब्याज दरों में संभावित वृद्धि की उम्मीद बढ़ा दी है, जिसका असर सोने और चांदी पर साफ दिख रहा है। गुरुवार को दोनों कीमती धातुओं के कारोबार की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी दोनों में गिरावट दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक, सोने का अक्टूबर वायदा 1,53,650 प्रति 10 ग्राम पर 113 की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। यह 1,53,581 पर खुला था। इस साल सोने ने 1,80,779 के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छुआ था।

महाराष्ट्र में अचल संपत्ति का होगा टोकनाइजेशन

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार जल्द ही अचल संपत्ति के ब्लॉकचेन आधारित टोकनाइजेशन के लिए महाराष्ट्र डिजिटाइजेशन ऐंड एक्सचेंज ऑफ लैंड टोकन एसेट लाएगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में घोषणा की कि यह कानून जमीन व अन्य अचल परिसंपत्तियों को डिजिटल टोकन में बदलने की कानूनी रूपरेखा तय करेगा, जिससे पारदर्शिता, लिक्विडिटी व वित्तीय पहुंच बढ़ेगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि इस ऐतिहासिक डेल्टा अधिनियम के सफल क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार, विभिन्न संस्थानों और राज्य सरकार के बीच व्यापक सहयोग जरूरी होगा।

सेबी ने कृषि जिंस वायदा कारोबार के नियम सरल बनाए

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कृषि जिंस वायदा कारोबार को सुगम बनाने के उद्देश्य से ग्राहकों के लिए सौदों की अधिकतम सीमा में संशोधन किया है। इसके साथ ही, नियामक ने नियमों के उल्लंघन पर लगने वाले जुर्माने की अधिकतम सीमा भी तय कर दी है। यह कदम बाजार में कारोबार को बढ़ावा देने और पुरानी बाजार परिस्थितियों के आधार पर तय की गई 2017 की सीमाओं की समीक्षा के बाद उठाया गया है। नए नियमों के तहत, व्यापक जिंसों के लिए ग्राहकों के स्तर पर सौदों की अधिकतम सीमा डिलिवरी योग्य आपूर्ति मात्रा का दो प्रतिशत होगी।

अफ्रीका में चीनी ई-वाहन क्रांति- आयात बढ़ा, क्षेत्रीय अंतर स्पष्ट

नैरोबी। 2026 की पहली छमाही में अफ्रीका में चीन से इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल और तिपहिया वाहनों के आयात में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। यह महाद्वीप में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने की प्रक्रिया में मौजूद गहरे क्षेत्रीय अंतर को उजागर करता है, जो ईंधन खपत और वायु प्रदूषण घटाने के लिए महत्वपूर्ण है। उत्तरी अफ्रीकी देशों की अगुवाई में चीन से दोपहिया और तिपहिया वाहनों का आयात 60% बढ़कर 11.46 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 138, निफ्टी 46 अंक उछला

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में तीन कारोबारी सत्र के बाद आई ये तेजी दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। इसी के साथ ही पिछले तीन कारोबारी सत्र से जारी गिरावट पर भी ब्रेक लग गया। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 138.36 अंक बढ़कर 74,902.59 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46 अंक बढ़कर 23,477.80 पर बंद हुआ।

आज बाजार में मिली-जुली धारणा लिए रहा, जहां लगभग 1,802 शेयरों में तेजी देखी गई, वहीं 2,224 शेयरों में गिरावट दर्ज हुई और 135 शेयरों में कोई खास बदलाव नहीं आया। दिन की शुरुआत में, सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,764.23 से मामूली गिरावट के साथ 74,742.54 पर खुला। दिन के कारोबार में इसने 74,910.96 का उच्चतम स्तर भी छुआ। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,431.50 से 15 अंक उछलकर 23,446.60 पर खुला, जो बाजार में शुरुआती आशावाद को दर्शाता है। निफ्टी ने दिन के कारोबार में 23,494.95 का उच्चतम स्तर देखा।

वहीं व्यापक बाजारों का प्रदर्शन हालांकि उतना मजबूत नहीं रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में भी 0.07 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार प्रदर्शन की बात करें तो, निफ्टी मीडिया, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक ने बेहतर प्रदर्शन किया और बढ़त दर्ज की। इसके विपरीत, निफ्टी मेटल, निफ्टी फार्मा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी एफएमसीजी जैसे सेक्टरों में गिरावट का रुख रहा, जिससे पता चलता है कि यह उछाल कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित रहा। प्रमुख निफ्टी 50 इंडेक्स के भीतर, एचसीएल टेक, हिंडाल्को और टाटा स्टील जैसे शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा, जो बाजार में कुछ बड़ी कंपनियों पर दबाव को दर्शाता है। वहीं, एचडीएफसी लाइफ, पावरग्रिड, ओएनजीसी, भारतीय एयरटेल और टेक महिंद्रा के शेयरों में निवेशकों ने सबसे अधिक खरीदारी की, जिससे इन कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट खुला। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 36 अंक की कमजोरी के साथ 74,727.96 और निफ्टी 8.25 अंक की गिरावट के साथ 23,430.00 पर था।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 51 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.59 पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 25 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.33 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और डॉलर की लगातार मांग का निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा।

मिड-साइज एसयूवी एलिवेट को बड़े अपडेट के साथ पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली। कार निर्माता जापानी कंपनी होंडा अपनी मिड-साइज एसयूवी एलिवेट को बड़े अपडेट के साथ बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। भारत में 2023 में लॉन्च हुई एलिवेट का फेसलिफ्ट अक्टूबर 2026 में पेश किए जाने की उम्मीद है। नई एसयूवी में कंपनी पूरी तरह नया डिजाइन देने के बजाय मौजूदा मॉडल के लुक को बरकरार रखते हुए कई स्टाइलिंग और फीचर अपडेट कर सकती है। फेसलिफ्ट में नए बंपर, अलॉय व्हील और अपडेटेड लाइटिंग एलिमेंट मिलने की संभावना है। पीछे की टेललाइट्स में नए ग्राफिक्स और फ्रंट हिस्से में होंडा की नई ग्लोबल डिजाइन भाषा से प्रेरित बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

हालांकि, एसयूवी का मौजूदा आकार और ओवरऑल डिजाइन काफी हद तक पहले जैसा रहने की उम्मीद है। केबिन में बाहरी डिजाइन की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इसमें 10.25 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है, जो अपडेटेड होंडा सिटी में भी उपलब्ध है। इसके साथ नई अपहोल्स्ट्री और केबिन ट्रिम देकर इंटीरियर को ज्यादा प्रीमियम बनाने की कोशिश की जा सकती है। फीचर्स की बात करें तो एलिवेट फेसलिफ्ट में 360 डिग्री कैमरा और वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें फैक्ट्री-फिटेड फीचर्स के रूप में मिल सकती हैं। मौजूदा होंडा सेंसिंग एडीएएस सिस्टम को भी अपडेट किए जाने की उम्मीद है। इसमें अडैप्टिव क्रूज कंट्रोल, लेन कीप असिस्ट और ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग जैसे फीचर्स पहले से मौजूद हैं। नई सिटी में मिलने वाली लेवल-2 एडीएएस तकनीक को एलिवेट फेसलिफ्ट में भी शामिल किए जाने की संभावना है। इंजन में बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। मौजूदा 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन जारी रह सकता है, जो 121 एचपी की पावर देता है। इसे 6-स्पीड मैनुअल और सीवीटी गियरबॉक्स के साथ पेश किया जाएगा। हाइब्रिड इंजन की संभावना फिलहाल कम बताई जा रही है।

रेलवे का मेगा विस्तार- 9 राज्यों में 20,804 करोड़ की 8 मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी

- दक्षिणी, पूर्वी और मध्य भारत में लगभग 1200 किलोमीटर नए ट्रैक जुड़ेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के 9 राज्यों में फैली 8 महत्वपूर्ण रेल मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है। अनुमानित 20,804 करोड़ रुपये की लागत वाली इन परियोजनाओं का उद्देश्य भारतीय रेलवे के अत्यधिक व्यस्त नेटवर्क की क्षमता को बढ़ाना, कनेक्टिविटी में सुधार करना और माल ढुलाई को गति देना है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस ऐतिहासिक फैसले की घोषणा की। इन परियोजनाओं में विभिन्न राज्यों में तीसरी और चौथी लाइनें बिछाने के साथ-साथ दोहरीकरण का कार्य भी शामिल है। दक्षिणी भारत में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के 17 जिलों में अराकोणम क्कू रेनीगुंटा तीसरी और चौथी लाइन, बंगारपेट तीसरी और चौथी लाइन, होसुर क्कू ओमालूर ट्रैक का दोहरीकरण, सेलम क्कू करूर क्कू डिंडिगुल दोहरीकरण और सिकंदराबाद (घाटकेसर) क्कू काजीपेट मल्टी-ट्रैकिंग जैसी 5 परियोजनाएं भारतीय रेलवे नेटवर्क में लगभग 540 किलोमीटर का इजाफा करेंगी।

इसी तरह, पूर्वी और पूर्वी मध्य इलाकों में पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में खड़गपुर क्कू झारसुगुड़ा (बागडेही) चौथी लाइन, कटनी क्कू पेंड्रा रोड चौथी लाइन और बिलासपुर (उसलापुर) क्कू पेंड्रा रोड तीसरी लाइन जैसी परियोजनाएं लगभग 656 किलोमीटर का अतिरिक्त ट्रैक जोड़ेंगी। कुल मिलाकर, ये पहल भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में 1200 किलोमीटर से अधिक की वृद्धि करेंगी। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार की योजना भीड़भाड़ वाले रेल नेटवर्क में कम से कम 4 लाइनें बनाने की है, और ये परियोजनाएं उसी दिशा में एक कदम है।

किआ इंडिया कई कारों और एमपीवी पर दे रही आकर्षक ऑफर

नई दिल्ली। सितंबर 2026 में किआ इंडिया ने अपनी कई कारों और एमपीवी पर आकर्षक ऑफर पेश किए हैं। ये ऑफर 1 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक लागू हैं। कंपनी ग्राहकों को नकद छूट, एक्सचेंज बोनस, स्क्रैपेज लाभ, लॉयल्टी बोनस और कॉर्पोरेट डिस्काउंट दे रही है। इस महीने किआ कार्निवल पर सबसे ज्यादा 1.50 लाख रुपये तक का लाभ मिल रहा है। यह ऑफर 2026 मॉडल वर्ष की कार्निवल पर लागू है। इसमें 1 लाख रुपये तक का एक्सचेंज लाभ और 50,000 रुपये तक की कॉर्पोरेट छूट शामिल है। कार्निवल की एक्स-शोरूम कीमत 59.65 लाख रुपये है।

किआ कैरेंस क्लैविस के 2025 मॉडल वर्ष के चुनिंदा पेट्रोल और डीजल वेरिएंट पर कुल 1.20 लाख रुपये तक की बचत की जा सकती है। इसमें 70,000 रुपये तक की नकद छूट, 20,000 रुपये का लॉयल्टी लाभ और 30,000 रुपये तक का एक्सचेंज या 20,000 रुपये तक का स्क्रैपेज लाभ शामिल है। वहीं 2026 मॉडल के चुनिंदा वेरिएंट पर 65,000 रुपये तक का फायदा मिल सकता है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 11.39 लाख रुपये है। कैरेंस क्लैविस इलेक्ट्रिक पर 55,000 रुपये तक के लाभ उपलब्ध हैं। इसमें 20,000 रुपये का लॉयल्टी बोनस, 15,000 रुपये तक की कॉर्पोरेट छूट और 20,000 रुपये तक का एक्सचेंज या स्क्रैपेज लाभ शामिल है। इसकी कीमत 18.04 लाख रुपये से शुरू होती है। किआ सोनेट के 2026 मॉडल पर 50,000 रुपये तक का लाभ दिया जा रहा है। इसमें 15,000 रुपये तक की नकद छूट, 15,000 रुपये की कॉर्पोरेट छूट और 20,000 रुपये तक का एक्सचेंज या 15,000 रुपये तक का स्क्रैपेज लाभ शामिल है। सोनेट की शुरुआती कीमत 7.41 लाख रुपये है। किआ सिरोस के पेट्रोल और डीजल मॉडल पर 35,000 रुपये तक का फायदा मिल सकता है। इसमें 15,000 रुपये तक की कॉर्पोरेट छूट और 20,000 रुपये तक का एक्सचेंज या स्क्रैपेज लाभ शामिल है। वहीं किआ कैरेंस के 2026 मॉडल पर भी 35,000 रुपये तक का लाभ दिया जा रहा है। सितंबर में किआ की ओर से सबसे बड़ा फायदा पुराने मॉडल वर्ष के स्टॉक पर मिल रहा है।

बड़े बदलावों के साथ आएगी नई टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस फेसलिफ्ट

नई दिल्ली। भारतीय सड़कों पर टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस फेसलिफ्ट वर्जन को एक बार फिर परीक्षण के दौरान देखा गया है। टेस्ट कार की तस्वीरों में पहली बार इसके केबिन की कुछ अहम जानकारियां सामने आई हैं। पुणे के हिंजेवाड़ी इलाके में नजर आई इस नई टेस्ट कार के डैशबोर्ड और सेंटर कंसोल का लेआउट मौजूदा मॉडल जैसा दिखाई देता है। हालांकि, इंफोटेनमेंट टचस्क्रीन को जानबूझकर ढका गया था। स्क्रीन के सामने फाइल या फोल्डर रखा गया था, जिससे यह पता नहीं चल सका कि कंपनी मौजूदा 10.1 इंच डिस्प्ले को ही जारी रखेगी या नया और बड़ा स्क्रीन सिस्टम देगी।

माना जा रहा है कि फेसलिफ्ट में तकनीकी अपग्रेड के तहत नया इंफोटेनमेंट सिस्टम और अतिरिक्त फीचर्स मिल सकते हैं। बाहरी डिजाइन में बड़े बदलाव की उम्मीद है। टेस्ट कार के आगे और पीछे हिस्से को भारी छलावरण से ढका गया था। हालिया पेटेंट से संकेत मिलता है कि इसमें नया ग्रिल, पतली हेडलाइट और नया बंपर दिया जा सकता है। इससे कार को टोयोटा की नई वैश्विक एसयूवी जैसी डिजाइन भाषा मिलने की संभावना है। साइड प्रोफाइल और मौजूदा बॉडी शेप में बड़े बदलाव नहीं किए जाने की उम्मीद है, जबकि पीछे के बंपर और टेललाइट डिजाइन को अपडेट किया जा सकता है। पावरट्रेन में बड़े बदलाव की संभावना कम है।

इनोवा हाइक्रॉस फेसलिफ्ट में मौजूदा 2.0 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल और 2.0 लीटर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन जारी रह सकते हैं। हाइब्रिड पावरट्रेन करीब 184 बीएचपी की संयुक्त ताकत देता है और ई-सीवीटी गियरबॉक्स के साथ आता है। इनोवा हाइक्रॉस का मुकाबला अब ज्यादा कड़े सेगमेंट में हो रहा है। 19 से 32 लाख रुपये के बजट में कई नई तीन-रो एसयूवी और एमपीवी विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में फेसलिफ्ट के जरिए टोयोटा अपने लोकप्रिय मॉडल को नए फीचर्स और डिजाइन के साथ प्रतिस्पर्धा में बनाए रखना चाहती है।

मध्य प्रदेश में निवेश की बहार- दुबई से 53,000 करोड़ से अधिक के प्रस्ताव

- ग्रीन हाइड्रोजन, एआइ, सौर ऊर्जा, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में बड़े समूह करेंगे निवेश

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की दुबई यात्रा राज्य के लिए बड़ी आर्थिक सफलता लेकर आई है। उनकी वैश्विक निवेशकों से हुई वन-टू-वन बैठकों के परिणामस्वरूप 53,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, एआई और डेटा सेंटर, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग जैसे भविष्य के क्षेत्रों पर विशेष जोर है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की हालिया दुबई यात्रा के दौरान विभिन्न वैश्विक निवेशकों और औद्योगिक समूहों के साथ हुई बैठकों से मध्य प्रदेश को 53,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों में ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, एआई और डेटा सेंटर, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, ई-मोबिलिटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और रियल एस्टेट जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। इनमें सबसे बड़ा प्रस्ताव राणा होल्डिंग्स लिमिटेड की ओर से आया है, जिसमें करीब 35,200 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है। इसमें 2,000 मेगावॉट का सौर ऊर्जा पोर्टफोलियो, 200 मेगावॉट का ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र, 50 मेगावॉट क्षमता का एआई एवं कंप्यूट डेटा सेंटर, 30,000 एमटीपीए क्षमता का क्रिटिकल मिनरल्स रिकवरी कॉम्प्लेक्स तथा एकीकृत स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग हब स्थापित करने की योजना है। इसी तरह एनआईडीआई सर्विसेज डीएमसीसी/एससीएनईएलएल के निवेशकों ने औद्योगिक स्तर के एआई कंप्यूट कैंपस और सॉवरेन एआई फैक्ट्री परियोजना में 18 हजार करोड़ रुपये के निवेश की योजना पेश की है, जिसे भविष्य में 100 मेगावॉट से अधिक तक बढ़ाया जा सकेगा।

सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की हो रही ज्यादा बिक्री: फाडा

नई दिल्ली। अगस्त 2026 के दौरान भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में ग्राहकों की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिला। अगस्त में देशभर में कुल वाहन बिक्री सालाना आधार पर 17.51 प्रतिशत बढ़कर 24,23,201 इकाइयों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान सबसे अहम बदलाव यात्री वाहन बाजार में आया, जहां पहली बार सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की संयुक्त हिस्सेदारी पेट्रोल वाहनों से ज्यादा रही।

अगस्त में सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की संयुक्त हिस्सेदारी 41.95 प्रतिशत रही, जबकि पेट्रोल वाहनों की हिस्सेदारी 40.85 प्रतिशत दर्ज की गई। खास बात यह है कि करीब एक साल पहले पेट्रोल वाहनों की हिस्सेदारी वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों से लगभग 11 प्रतिशत अधिक थी।

फाडा के अध्यक्ष साई गिरधर के अनुसार, जुलाई के रिकॉर्ड स्तर की तुलना में अगस्त में कुल वाहन बिक्री में 6.48 प्रतिशत की कमी आई। इसके पीछे मानसून और त्योहारों की तारीखों में बदलाव को प्रमुख वजह माना गया है। इस बार गणेश चतुर्थी और ओणम की खरीदारी का एक हिस्सा सितंबर में चला गया, जिससे अगस्त की बिक्री प्रभावित हुई। ग्रामीण बाजार ने इस दौरान शहरी क्षेत्रों से बेहतर प्रदर्शन किया। अगस्त में ग्रामीण वाहन बिक्री 19.79 प्रतिशत बढ़ी, जबकि शहरी बाजार में 15.17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यात्री वाहनों में ग्रामीण क्षेत्रों की बिक्री 24.99 प्रतिशत बढ़ी, जबकि शहरों में यह वृद्धि 10.93 प्रतिशत रही। यह आंकड़ा बताता है कि भारतीय ग्राहक अब पारंपरिक पेट्रोल वाहनों के साथ-साथ वैकल्पिक ईंधन और इलेक्ट्रिक तकनीक वाले वाहनों को तेजी से अपना रहे हैं।

जियो पेमेंट सॉल्यूशंस ने सीमा पार भुगतान सुविधा शुरू की

- आरबीआई की मंजूरी के बाद जियो पेमेंट सॉल्यूशंस ने शुरू की पहल

नई दिल्ली। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी जियो पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड (जेपीएसएल) ने भारतीय निर्यातकों को वैश्विक ग्राहकों से अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्राप्त करने में मदद करने के लिए एक सीमा पार भुगतान मंच शुरू करने की बुधवार को घोषणा की। यह सुविधा भारतीय व्यवसायों की वैश्विक प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जेपीएसएल का यह नया मंच भारतीय निर्यातकों को वर्चुअल खातों, अंतरराष्ट्रीय कार्ड और स्थानीय भुगतान माध्यमों का उपयोग कर विदेशी ग्राहकों से भुगतान प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से पेमेंट एग्रीगेटर फॉर क्रॉस बॉर्डर (पीए-सीबी) के रूप में काम करने की मंजूरी मिलने के बाद यह पहल शुरू की गई है, जो निर्यात और भविष्य में आयात दोनों लेनदेन को कवर करेगी। जेपीएसएल ने बताया कि ऑनलाइन विक्रेता, डिजिटल कारोबारी और स्वतंत्र पेशेवर जैसे कई भारतीय व्यवसाय वैश्विक स्तर पर विस्तार कर रहे हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्राप्त करने की प्रक्रिया अक्सर जटिल और बिखरी हुई होती है। इसमें कई भागीदार, अलग-अलग मुद्राएं और अधिक कागजी कार्रवाई शामिल होती है। कंपनी के अनुसार, यह नया मंच इन जटिलताओं को दूर करेगा, वैश्विक भुगतान प्राप्त करने की प्रक्रिया को आसान बनाएगा, नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करेगा और कारोबारियों को उनके वैश्विक ग्राहकों को स्थानीय भुगतान विकल्प प्रदान करने में मदद करेगा।

एप्पल ने भारत में आईफोन लाइनअप की 40 फीसदी तक बढ़ाई कीमत

-बढ़ोतरी के लिए मेमोरी की लागत, रुपए की कमजोरी को जिम्मेदार बताया

नई दिल्ली। एप्पल ने भारत में अपने आईफोन लाइनअप की कीमतों में 40 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इसकी वजह मेमोरी की बढ़ती लागत है। वहीं, कंपनी ने अपने स्मार्टफोन की नई पीढ़ी लॉन्च करने के साथ आईफोन डुओ के साथ फोल्डेबल सेगमेंट में भी प्रवेश किया है, जिसकी कीमत 2.99 लाख रुपए तय की गई है। एप्पल ने आईफोन 17 के 256जीबी वेरिएंट की कीमत को 82,900 रुपए से बढ़ाकर 99,900 रुपए कर दी है, जो कीमत में 17,000 रुपए या 20.5 फीसदी की बढ़ोतरी है।

वहीं, 512जीबी वेरिएंट की कीमत 1,24,900 रुपए हो गई है, जो पहले 1,02,900 रुपए थी। इससे कीमत में 22,000 रुपए या 21.4 फीसदी की वृद्धि हुई है। आईफोन 18प्रो की शुरुआती कीमत 1,64,900 रुपए है, जो आईफोन 17प्रो की तुलना में 22 फीसदी ज्यादा है। वहीं, आईफोन 18प्रो मैक्स की शुरुआती कीमत 1,79,900 रुपए है, जो 20 फीसदी ज्यादा है। इसके अलावा, सबसे बड़ी बढ़ोतरी 1टीबी वाले आईफोन एयर की कीमत में हुई है। इसकी कीमत 40.6 फीसदी बढ़कर 2,24,900 रुपए हो गई है, जो पहले 1,59,900 रुपए थी। आईफोन एयर के 256जीबी और 512जीबी वेरिएंट भी 25 प्रतिशत महंगे हो गए हैं।इसके अलावा, आईफोन 17ई की शुरुआती कीमत अब 79,900 रुपए है, जो 23.1 फीसदी ज्यादा हो गए हैं। वहीं, 128जीबी वाले आईफोन 16 की कीमत 28.6 फीसदी बढ़कर 89,900 रुपए हो गई है। भारत में एप्पल के प्रो मॉडल्स की कीमतों में हुई बढ़ोतरी कई प्रमुख बाजारों की तुलना में काफी ज्यादा है। अमेरिका में आईफोन 18प्रो और प्रो मैक्स की कीमतों में क्रमशः 9 फीसदी और 8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

सीधी, सिंगरौली प्रभा

शुक्रवार, 11 सितम्बर 2026

प्रदेश में 68 लाख 97 हजार को नि:शुल्क मिलेंगे
भूमि स्वामित्व के प्रमाण पत्र :मुख्यमंत्री

स्वामित्व अधिकार अभिलेख पंजीयन का व्यापक प्रचार-प्रसार करें - मुख्यमंत्री

सेवा संकल्प अभियान की कार्य योजना दो दिवस में प्रस्तुत करें - मुख्यमंत्री

सतना मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन पंजीयन योजना के संबंध में निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना से आबादी भूमि के 68 लाख 97 हजार भू स्वामियों को पंजीयन प्रमाण पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। अभियान 17 सितम्बर से आरंभ होगा। पटवारी तथा भू स्वामी सारा ऐप पर भू अधिकार पत्र एवं ई केवाईसी दर्ज करेंगे। नायब तहसीलदार और तहसीलदार इसका ऑनलाइन सत्यापन करके पंजीयन प्रमाण पत्र जारी कर देंगे। इसके लिए ग्राम पंचायत में तीन चरणों में तीन दिवसीय शिविर लगाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामित्व अधिकार अभिलेख पंजीयन योजना से 68 लाख अधिक व्यक्ति लाभान्वित हो रहे हैं। पूरी कार्यवाही ऑनलाइन की जा रही है। भू स्वामी को पंजीयन प्रमाण पत्र निरूशुल्क प्राप्त हो रहे हैं। इस अभियान का कलेक्टर व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। इसके लिए सोशल मीडिया का भी व्यापक उपयोग करें। किसानों और ग्राम स्तर के सोशल मीडिया ग्रुप पर भी इसकी जानकारी शेयर कराएं।

सभी कलेक्टर शिविरों के स्थल और तिथियाँ तय करके इसमें पटवारी, ग्राम रोजगार सहायक, ग्राम पंचायत सचिव की ड्यूटी लगा दें। शिविर स्थल में बिजली और इंटरनेट की निर्बाध व्यवस्था करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक मुख्यमंत्री सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। सभी कलेक्टर इसकी तिथिवार और निर्धारित कार्यक्रमवार कार्य योजना तैयार करके दो दिवस में प्रस्तुत करें। अभियान के दौरान विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश का संदेश जन-जन तक पहुंचाएं। प्रमुख सार्वजनिक स्थलों तथा हितग्राहियों के घरों में 17 सितम्बर को शाम 7 बजे आशीर्वाद के दीपक जलाए जाएंगे। सार्वजनिक स्थलों तथा दीपों की संख्या का निर्धारण करके व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों तथा सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को भी इन कार्यक्रमों में शामिल करें। अभियान के दौरान युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दें।

आबादी भूमि में स्वामित्व योजना के हितग्राहियों की नि:शुल्क रजिस्ट्री के लिए महाअभियान 17 सितंबर से

स्टाम्प ड्यूटी और पंजीयन शुल्क नहीं देना होगा, तहसीलदारों को सब-रजिस्ट्रार के अधिकार

सीधी जिले के ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में वर्षों से अपने घरों में निवास कर रहे परिवारों के लिए बड़ी राहत की पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी 'स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026' के तहत सीधी जिले में आबादी भूमि के भू-अधिकार प्राप्त हितग्राहियों के दस्तावेजों की नि:शुल्क रजिस्ट्री के लिए महाअभियान 17 सितंबर से प्रारंभ होगा।

स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में ड्रोन सर्वे के माध्यम से भूमि एवं संपत्तियों का डिजिटल मानचित्रण कर अधिकार अभिलेख तैयार किए गए हैं तथा हितग्राहियों को संपत्ति पत्रक भी वितरित किए गए हैं। अब इन अधिकार अभिलेखों को विधिवत पंजीकृत दस्तावेज का स्वरूप प्रदान किया जाएगा। इस प्रक्रिया में हितग्राहियों को स्टाम्प ड्यूटी और पंजीयन शुल्क का भुगतान नहीं करना होगा। रजिस्ट्री पर होने वाला खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

बैंक से ऋण लेने में होगी आसानी अधिकार अभिलेख की रजिस्ट्री होने से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का मजबूत कानूनी दस्तावेज प्राप्त होगा। इससे उन्हें मकान निर्माण, कृषि विकास अथवा नया व्यवसाय शुरू करने जैसी आवश्यकताओं के लिए बैंकों से ऋण प्राप्त करने में सुविधा होगी। पंजीकृत दस्तावेज उपलब्ध होने से संपत्ति की वैधानिक स्थिति भी अधिक स्पष्ट होगी।

इसके साथ ही संपत्ति के स्वामित्व को लेकर होने वाले आपसी विवादों में कमी आने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति संबंधी अभिलेखों के अधिक व्यवस्थित एवं सुरक्षित होने की उम्मीद है।

गांवों में पहुंचकर होगी दस्तावेजी कार्यवाही

महाअभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए जिले की सभी तहसीलों में प्रशासनिक तैयारियां की गई हैं। योजना के क्रियान्वयन में ग्राम पटवारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। पटवारी गांवों में पहुंचकर हितग्राहियों की सूची, आवश्यक दस्तावेज एवं रजिस्ट्री से संबंधित कार्यवाही पूरी कराने में सहयोग करेंगे।

मैदान का किराया बढाने पर बनी सहमति जिला डाइट की संस्थान विकास समिति की बैठक

सतना जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) सतना की गुरूवार को कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में संपन्न संस्थान विकास समिति की बैठक में परिसर स्थित मैदान का किराया 10 हजार रूपये प्रतिदिन से बढ़ाकर 20 हजार रूपये प्रतिदिन किये जाने पर सहमति बनी है। इसी प्रकार संस्थान विकास समिति की आय से उपलब्ध राशि से डाइट के भवनों की मरम्मत, पुताई एवं अन्य सुविधा व्यवस्थाओं के कार्य भी किये जायेंगे। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, प्राचार्य विष्णु त्रिपाठी, सहायक संचालक शिक्षा गिरीश अग्निहोत्री, प्राचार्य के.एस. बघेल, सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक अंजनी त्रिपाठी, प्राचार्य रूपनारायण पाण्डेय, सेवानिवृत्त प्राचार्य कुमकुम भट्टाचार्य सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जन विष्वास अभियान उचेहरा में आज

सतना मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रदेश भर में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 का संचालन 8 जनवरी 2027 तक किया जाएगा। सतना जिले में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का 11 सितम्बर को जनपद पंचायत उचेहरा में किया जायेगा। इस अभियान के लिए जिला स्तर के विभाग प्रमुख अधिकारी एक बस में बैठकर कलेक्ट्रेट परिसर से प्रातः 10 बजे उचेहरा के लिए रवाना होंगे। सतना जिले अंतर्गत मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के सुचारू संचालन हेतु रोस्टर निर्धारित किया गया है।

निर्माण श्रमिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने संजीवनी हॉस्पिटल बगहा में विशेष शिविर

सतना मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के लिए नगर पालिक निगम सतना क्षेत्र अंतर्गत विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। यह विशेष शिविर 11, 12 एवं 14 सितंबर 2026 को संजीवनी हॉस्पिटल बगहा, सतना में आयोजित होगा। शिविर में क्षेत्र के पंजीकृत निर्माण श्रमिक अपने तथा अपने परिवार के सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बनवा सकेंगे।

नवागत अपर कलेक्टर श्री राय ने किया सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण

मैहर। नवागत अपर कलेक्टर श्री रोशन राय ने पदभार ग्रहण करते ही गुरुवार को मैहर सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए भर्ती मरीजों से मुलाकात की और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने मरीजों के पंजीयन एवं पर्ची वितरण व्यवस्थाए मरीजों को उपलब्ध कराए जा रहे आहारए मरीजों की नियमित अटेंडिंग तथा अस्पताल परिसर में मरीजों के बैठने की व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा.निर्देश दिए।

सिहावल में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल

सीधी मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल 11 सितम्बर को सीधी जिले के सिहावल क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में शामिल होंगे तथा जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से भेंट करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री प्रातः 10 बजे परसिली से सिहावल के लिए रवाना होंगे और प्रातः 11.30 बजे सिहावल पहुंचेंगे।

हाथी को मानव आबादी से दूर रखने के किए जा रहे पर्याप्त प्रयास

मैहर। जिला वनमण्डलाधिकारी मैहर द्वारा बताया गया है कि वनपरिक्षेत्र अमरपाटन के गोरसरी घाटी के निकट स्थित ग्राम किरहाई, ओबरा, छिरहाई, चोरखरी, भीषमपुर, पठरा एवं छांईन आदि ग्रामों में रात्रि दिनांक 9 सितम्बर एवं 10 सितम्बर को हाथी ई.5 के द्वारा गोरसरी पहाड़ के नीचे उतरकर मानव आबादी क्षेत्र में जाकर कच्चे घरों एवं फसलों को नुकसान पहुँचाया गया है। विभाग द्वारा हाथियों का सक्रिय एवं गहन अनुश्रवण किया जा रहा है एवं उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए हाथी को मानव आबादी से दूर रखने के पर्याप्त प्रयास किये जा रहे हैं। विगत रात्रि पुलिस एवं प्रशासन के सहयोग से हाथियों का गहन अनुश्रवण किया गया एवं ग्रामीणों को कच्चे घरों से बाहर निकालकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया एवं हाथी की लाइव ट्रैकिंग की गई। वनाधिकारियों द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घरों से सुरक्षित लोगों को बाहर लाकर जनहानि की दुर्घटना को रोका गया। विगत रात्रि में हुई इस घटनाक्रम की निरंतरता में गुरुवार को भी ग्राम ओबरा, छिरहाई, चोरखरी, भीषमपुर, पठरा एवं छांईन आदि ग्रामों में हाथी के विचरण की संभावना है। अतः सभी ग्रामवासियों से अनुरोध किया गया है कि हाथी के पास न जांय जंगलों में बिना अनुमति प्रवेश न करें फोटोग्राफी या सेल्फी के चक्कर में जान को जोखिम में न डालें और न ही हाथी को किसी भी प्रकार से टॉर्च या हैवी रोशनी के माध्यम से न उकसायें तथा हाथी से न्यूनतम 200 मीटर की दूरी बनाकर रखें ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की पुनर्रावृत्ति न हो क्योंकि हाथी से सुरक्षात्मक दूरी ही एक मात्र उपाय है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सहित विभागीय अधिकारी रहेंगे उपस्थित

मैहर सितम्बर।मुख्यमंत्री डॉण् मोहन यादव की मंशानुरूप आमजन की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण सुनिश्चित करने तथा शासन.प्रशासन को सीधे जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश में ष्मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियानष् की शुरुआत की गई है। अभियान के तहत प्रत्येक शुक्रवार को गांवों एवं वॉर्डों में पहुंचकर आमजन से संवाद किया जा रहा है तथा उनकी समस्याओंए शिकायतों एवं मांगों को सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों के माध्यम से निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में जिले के रामनगर क्षेत्र के ग्राम देवरी के पंचायत भवन में 11 सितम्बरए शुक्रवार को प्रातः 11 बजे मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती विदिशा मुखर्जीए पुलिस अधीक्षक श्री अवधेश प्रताप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

अभियान के दौरान ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी तथा मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है।

जिला प्रशासन ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं एवं सुझावों से प्रशासन को अवगत कराएं और मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का लाभ उठाएं।

कम लागत, हाथ में हुनर स्वरोजगार की राह पर विद्यार्थी

मझौली महाविद्यालय में सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण जारी, मशीन से बाजार तक की तैयारी

सीधी मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल के निर्देशन में शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में संचालित सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण विद्यार्थियों को कम लागत में स्वरोजगार शुरू करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान कर रहा है। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत चल रहे इस प्रशिक्षण में विद्यार्थी मशीन संचालन से लेकर नाप, कटिंग, सिलाई और कढ़ाई तक का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को महज प्रमाण-पत्र तक सीमित न रखकर उन्हें ऐसा व्यावहारिक हुनर प्रदान करना है, जिसके माध्यम से वे शिक्षा पूरी करने के बाद रोजगार की तलाश के साथ-साथ स्वयं का काम शुरू करने का विकल्प भी चुन सकें। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों से मशीन पर लगातार अभ्यास कराया जा रहा है। नाप में होने वाली छोटी-छोटी गलतियों से लेकर कटिंग, सिलाई और फिनिशिंग तक प्रत्येक चरण में प्रशिक्षक बारीकी से सुधार कराकर विद्यार्थियों को दक्ष बना रहे हैं। सिलाई-कढ़ाई ऐसा कौशल है, जिसे सीमित संसाधनों में छोटे स्तर से शुरू किया जा सकता है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद विद्यार्थी घर से सिलाई-कढ़ाई का कार्य लेकर अतिरिक्त आय अर्जित करने के साथ इसे व्यवस्थित स्वरोजगार के रूप में भी विकसित कर सकते हैं। इससे विशेष रूप से विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

समरसता संकल्प यात्रा का ग्रामीण क्षेत्रों में हुआ भव्य स्वागत

मैहरए । संत शिरोमणि श्री रविदास जी की 650वीं जन्मजयंती के अवसर पर आयोजित श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा के तहत अमरपाटन विकासखंड में कलश रथ यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा के माध्यम से संत रविदास जी के समताए भक्तिए सेवाए सामाजिक न्याय एवं मानवता के संदेश को जन.जन तक पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत सुआ में कलश रथ यात्रा का जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रामखेलावन कोल एवं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती तारा पटेल सहित ग्रामीणजनों द्वारा स्वागत किया गया।

अमरपाटन के वार्ड क्रमांक.6 में भी जनता द्वारा कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। वहीं ग्राम पंचायत जगदीशपुर देवरीए चोरखरीए किरहाईए इटमाए कोठार एवं खरमसेड़ा में सरपंच एवं ग्रामीणजनों ने कलश रथ यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत एवं अभिनंदन किया। यात्रा में प्रभारी श्री राजकुमार साकेतए अत्रि श्री मनीष जी महाराजए संत श्री शंकर प्रसाद रैदास एवं संत श्री भाई लाल रैदास सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं अनुयायी शामिल हुए। नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए यात्रा के उद्देश्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर संत शिरोमणि श्री रविदास जी के समताए सामाजिक सद्भावए सेवाए भक्ति एवं मानवता के विचारों को जन.जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। नागरिकों ने सामाजिक समरसताए आपसी भाईचारे एवं सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

विधिक जागरूकता शिविर में छात्राओं को बताए कानूनी अधिकार

नि:शुल्क विधिक सहायता के साथ ब्यूटीशियन प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

सीधी मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या महाविद्यालय, सीधी में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मुकेश कुमार शिवहरे एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक के निर्देशन में आयोजित हुआ।

शिविर में चीफलीगल एड डिफेंस काउंसिल देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, नि:शुल्क विधिक सहायता, महिलाओं से संबंधित विधिक प्रावधानों तथा साइबर अपराध से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर विधिक सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से ज्योति वर्मा द्वारा एक घंटे का ब्यूटीशियन प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण में छात्राओं को ब्यूटी केयर एवं सौंदर्य प्रसाधन से संबंधित व्यावहारिक जानकारी और कौशल प्रदान किया गया। छात्राओं को इस प्रकार के हुनर के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने और रोजगार के नए अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शिविर में छात्राओं को नि:शुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के लिए नालसा की टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के संबंध में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। शिविर का उद्देश्य छात्राओं में विधिक जागरूकता बढ़ाने के साथ उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग, सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना रहा।

सतना जिले में अब तक 5500 प्रभावितों को 2 करोड 66 लाख 98 हजार रूपये से अधिक की सहायता स्वीकृत

चित्रकूट में स्वास्थ्य सुविधाओं सफाई और बिजली बहाली का काम जारी

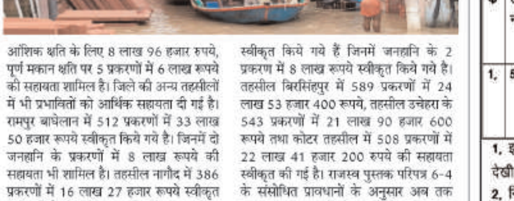

सतना जिले में अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर राहत एवं जनसुविधाओं के पुनर्बहाली कार्य किए जा रहे हैं। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के नेतृत्व में राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सर्वेक्षण और राहत कार्यों में जुटी हैं। जिले में 10 सितंबर 2026 तक 5500 प्रभावित परिवार के प्रकरणों में 2 करोड़ 66 लाख 98 हजार 200 रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत कर वितरित की जा रही है। चित्रकूट-मझगवां क्षेत्र में बाढ़ से अधिक प्रभावित परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर सहायता उपलब्ध कराई गई है। मझगवां-चित्रकूट क्षेत्र में 1903 प्रकरणों में 97 लाख 36 हजार रुपये की सहायता वितरित हुई है। इनमें पानी भरने से राशन, कपड़े और बर्तन आदि की क्षति के 1648 प्रकरणों में 82 लाख 40 हजार रुपये, जबकि 250 मकानों की आंशिक क्षति के लिए 8 लाख 96 हजार रुपये, पूर्ण मकान क्षति पर 5 प्रकरणों में 6 लाख रूपये की सहायता शामिल है। जिले की अन्य तहसीलों में भी प्रभावितों को आर्थिक सहायता दी गई है। रामपुर बाघेलान में 512 प्रकरणों में 33 लाख 50 हजार रूपये स्वीकृत किये गये है। जिनमें दो जनहानि के प्रकरणों में 8 लाख रूपये की सहायता भी शामिल है। तहसील नागौद में 386 प्रकरणों में 16 लाख 27 हजार रूपये स्वीकृत किये गये है। जिनमें 1 जनहानि के प्रकरण में 4 लाख रूपये स्वीकृत किये गये है। तहसील कोठी में 522 प्रकरणों में 22 लाख 60 हजार रूपये की स्वीकृत की गई है। जिनमें 172 प्रकरण सामग्री क्षति के शामिल है। रघुराजनगर में 537 प्रकरणों में 28 लाख 39 हजार 600 रूपये स्वीकृत किये गये हैं जिनमें जनहानि के 2 प्रकरण में 8 लाख रूपये स्वीकृत किये गये है। तहसील बिरसिंहपुर में 589 प्रकरणों में 24 लाख 53 हजार 400 रूपये, तहसील उचेहरा के 543 प्रकरणों में 21 लाख 90 हजार 600 रूपये तथा कोटर तहसील में 508 प्रकरणों में 22 लाख 41 हजार 200 रुपये की सहायता स्वीकृत की गई है। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के संशोधित प्रावधानों के अनुसार अब तक खाद्य, वस्त्र, सामग्री के नष्ट होने पर 2579 प्रकरणों में 1 करोड 28 लाख 95 हजार, आंशिक मकान क्षति पर 2942 प्रकरण में 1 करोड 12 लाख 3 हजार 200 रूपये, जनहानि के 8 प्रकरणों में 20 लाख रूपये सहित कुल 5500 प्रकरण में 2 करोड 66 लाख 98 हजार

कार्यालय नगरपालिका परिषद मैहर, जिला–मैहर (म.प्र)

Phone (07674) 232054, Fax (07674) 232288 E-mail-mcmaihar@gmail.com

क्रं./1795/ई–निविदा/2026 मैहर,दिनांक 07/09/26

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नानुसार कार्य हेतु पंजीकृत फर्म/ठेकेदार जो निविदा मानदण्ड को पूरा करते हों, से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है

क्र	टेंडर नंबर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा फार्म का मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य की अवधि
1,	534467	वार्ड क.06 अंतर्गत जेल तिराहा का सौंदर्यीकरण कार्य।	8,46,932.00	8,500.00	2,000.00	केन्द्रीयकृत पंजीयन	कार्यदेश से 02 माह

1, इच्छुक पंजीकृत फर्म/ठेकेदार द्वारा निविदा आमंत्रण सूचना बेवसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

2, निविदा प्रपत्र दिनांक 09/09/2026 समय 10:30 बजे से दिनांक 23/09/2026 को समय 17:30 बजे तक ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं।

3, एन.आई.टी में कोई संशोधन किया जाता है तो बेवसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। इसे समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जावेगा

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मैहर

सूक्ति

पिता की सेवा अथवा उनकी आज्ञा का पालन करने से बढ़कर और कोई धर्माचरण नहीं है।

- वाल्मीकि

ब्रिक्स सम्मेलन में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका

देश की राजधानी दिल्ली में 12 एवं 13 सितंबर को ब्रिक्स का सम्मेलन होने जा रहा है। दुनिया की आधी आबादी ब्रिक्स के सदस्य देशों में रहती है। 20 बरस पहले ब्रिक्स की नीव रखी गई थी। उस समय सदस्य देशों की संख्या 5 थी, जो अब बढ़कर 11 हो गई है। 20 वर्षों में दुनिया की राजनीति, अर्थव्यवस्था और आपसी संबंधों में वैश्विक स्तर पर बड़े-बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। ऐसी स्थिति में जब भारत ब्रिक्स देशों के संगठन की अध्यक्षता कर रहा है, तो ऐसे समय में भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। जिस तरह से दुनियाभर में व्यापार और नवाचार को लेकर नए-नए अवसर देखने को मिल रहे हैं। वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के आर्थिक, सामरिक एवं सामाजिक रिश्तों के समीकरण भी बड़ी तेजी के साथ बदल रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय एवं अन्य संस्थाओं की भूमिका जिस तरह से घट रही है, ऐसी स्थिति में ब्रिक्स के देश अपने हितों का संवर्धन करना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में सभी को सजगता के साथ विचार-विमर्श करते हुए दीर्घकालीन दृष्टि को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने होंगे। अध्यक्ष के रूप में भारत की भूमिका अति महत्वपूर्ण है।

भारत को अमेरिका, रूस, चीन ने निशाने पर ले रखा है। वर्तमान में यह तीनों महाशक्तियां हैं। पिछले कुछ वर्षों से अमेरिका के निशाने पर भारत है। इसी तरह से चीन भी भारत के साथ व्यापार और जमीनी विवाद को लेकर प्रतिस्पर्धा में शामिल है। वर्तमान संदर्भ में अमेरिका के कारण भारत और रूस के बीच पहले वाले संबंध नहीं रहे, जिसके कारण भारत अध्यक्ष होते हुए भी तीन पाटों के बीच में से अपने आपको कैसे सुरक्षित रख पाता है, इसकी सबसे बड़ी परीक्षा भारत को देनी है। ब्रिक्स देशों द्वारा न्यू डेवलपमेंट बैंक की स्थापना की गई है। इसमें सदस्य देशों के लिए परिवहन, स्वच्छ ऊर्जा, जलापूर्ति और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों की 140 परियोजनाओं के लिए 46 अरब डॉलर का ऋण भी दिया जा चुका है। ब्रिक्स देश का आपसी व्यापार 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। वर्तमान में अमेरिका डॉलर मुद्रा को लेकर जिस तरह का दबाव बनाता है, प्रतिबंधों के माध्यम से दुनिया के अन्य देशों के लिए परेशानी खड़ा करता है। इसको देखते हुए दुनिया के देश अब डॉलर मुद्रा से बाहर भी निकालना चाहते हैं। वैश्विक व्यापार के लिए नई मुद्रा व्यवस्था की स्वीकारता पर काम कर रहे हैं। अमेरिका पिछले 6 दशक से जिस तरह की दादागिरी करता आ रहा है, वही दादागिरी अभी भी करना चाहता है। ऐसी स्थिति में ब्रिक्स संगठन की भूमिका अति महत्वपूर्ण हो गई है।

पिछले एक दशक में चीन बड़ी तेजी के साथ आर्थिक एवं तकनीकी के क्षेत्र में आगे बढ़ा है। रुस एक महाशक्ति होते हुए भी यूक्रेन के साथ युद्ध में फंसा हुआ है। अमेरिका का दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से टैरिफ का खेल खेलकर अमेरिका के स्थान पर अपने स्वयं के लाभ के लिए राष्ट्रपति पद का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, उसके कारण अमेरिका इन दोनों आर्थिक और सामरिक रूप से बहुत कमजोर हो गया है। रही सही कसर ईरान युद्ध ने पूरी कर दी है। भारत के ऊपर अमेरिका और चीन का बड़ा दबाव है। रूस के साथ भी भारत के संबंध हमेशा रहे हैं। रूस ने हमेशा भारत की मदद की है। ऐसी स्थिति में भारत किस चतुराई के साथ ब्रिक्स देशों की अध्यक्षता करते हुए कूटनीति और रिश्तो के माध्यम से भारत के हितों की रक्षा करते हुए आर्थिक एवं सामरिक हितों को बेहतर बना सकता है, यह भारत के लिए एक परीक्षा की घड़ी है। भारत ने ईरान, अमेरिका और इजरायल के युद्ध में अपने आप को अमेरिका और इजरायल के साथ जोड़कर रखा। यूक्रेन युद्ध में भी रूस के समर्थन और विपक्ष में शांत रहा। गाजा में इजरायली युद्ध में जब हजारों फिलिस्तीन नागरिकों की मौत हुई उस समय भी भारत ने चुप्पी साध ली। अमेरिका और ईरान के युद्ध के समय खुलकर अमेरिका का साथ दिया। जिसके कारण भारत की भूमिका को लेकर हर जगह प्रश्न चिन्ह लग रहा है।

ऐसी स्थिति में भारत को अपनी विदेश नीति में परिवर्तन करना होंगे। डरने की बजाय भारत के हितों को लेकर चीन और रूस के साथ बराबरी से बात करनी होगी। ब्रिक्स के सदस्य देशों के हितों का भी ध्यान रखना होगा। सही मायने में यह भी कहा जा सकता है, जिस तरह से पंचशील सिद्धांत के कारण भारत की विश्व स्तर पर एक अलग भूमिका थी, कुछ उसी तरह की विदेश नीति अपनाते हुए भारत एक महत्वपूर्ण भूमिका वर्तमान और भविष्य में अदा कर सकता है। भारत की सबसे ज्यादा युवा आबादी है। भारत की आबादी दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले ज्यादा है। व्यापारिक एवं सामरिक दृष्टि से भारत को उपेक्षित कर पाना बड़ी से बड़ी महाशक्ति के लिए आसान नहीं है। इस आत्मविश्वास के साथ भारत को इस मौके का लाभ उठाना होगा। सरकार को चाहिए, विदेश और अर्थनीति के विशेषज्ञों को भी, वह किसी भी पार्टी से जुड़े हों, वर्तमान में उनकी कोई भूमिका हो या ना हो, उन सभी के साथ संवाद करके इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

आतंकवाद बोया पाकिस्तान ने, अब सिंधु का पानी भी भूलना होगा

भारत का सिंधु जल पर बढ़ता अधिकार पाकिस्तान के लिए उसके अपने किए की सजा

पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद को भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता आया है। सीमा पार से आतंकियों को प्रशिक्षण देना, उन्हें भारत में हिंसा फैलाने के लिए भेजना और आतंकी घटनाओं के बाद भी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करना उसकी नीति का हिस्सा बन चुका है। लेकिन हर कार्रवाई की एक कीमत होती है और अब पाकिस्तान को अपने इसी रवैये की कीमत पानी के मोर्चे पर चुकानी पड़ रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का जो कठोर निर्णय लिया, उसके प्रभाव अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं। लद्दाख में सिंधु नदी पर चेक डैम का निर्माण इसी बदलती तस्वीर का संकेत है।लद्दाख के उपशी में सिंधु नदी पर तैयार किया गया पहला रॉक चेक डैम केवल पानी रोकने वाली एक छोटी परियोजना नहीं है। यह बदलते भारत की सोच और उसकी जल नीति का प्रतीक है। जिस सिंधु नदी के पानी को लेकर भारत ने दशकों तक संधि की मर्यादाओं का पालन किया, उसी नदी के पानी का अपने लोगों के हित में बेहतर इस्तेमाल करने की दिशा में अब कदम बढ़ रहे हैं। उपशी में तैयार चेक डैम में पानी जमा होना और उसके माध्यम से आसपास के खेतों तक सिंचाई पहुंचने की संभावना लद्दाख जैसे दुर्गम और पानी की कमी वाले क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह शुरुआत भर है। लद्दाख में सिंधु नदी पर 36 और चेक डैम बनाने की तैयारी की जा रही है। इनमें लेह में सात हिमालयन रॉक चेक डैम और करगिल में 29 चेक डैम प्रस्तावित बताए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं पर करीब 56 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का अनुमान है। यानी भारत अब सिंधु नदी को केवल सीमा पार बह जाने वाली नदी के रूप में देखने के बजाय अपने किसानों, अपने गांवों और अपने सीमावर्ती क्षेत्रों की जल जरूरतों से जोड़कर देख रहा है।

लद्दाख की परिस्थितियां किसी से छिपी नहीं हैं। ऊंचाई वाले इस क्षेत्र में पानी का संकट हमेशा बड़ी चुनौती रहा है। खेती का मौसम सीमित है और बुवाई के समय पानी की उपलब्धता किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में चेक डैम जैसी छोटी लेकिन प्रभावी जल संरचनाएं स्थानीय स्तर पर बड़ा बदलाव ला सकती हैं। प्राकृतिक चट्टानों से तैयार की गई ऐसी संरचनाएं पानी को रोकने, भूजल स्तर सुधारने और खेतों तक पानी पहुंचाने में उपयोगी हो सकती हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बनाए जा रहे इन ढांचों से जल संरक्षण और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम करने की कोशिश भी दिखाई देती है।

पाकिस्तान के लिए परेशानी यहीं से शुरू होती है। दशकों से पाकिस्तान ने सिंधु नदी प्रणाली पर अपनी कृषि और जल व्यवस्था को खड़ा किया है। उसकी बड़ी आबादी की आजीविका खेती से जुड़ी है और सिंधु नदी तथा उसकी सहायक नदियां उसके लिए जीवनरेखा जैसी हैं। इसके बावजूद पाकिस्तान ने भारत की सुरक्षा चिंताओं को समझने और आतंकवाद पर निर्णायक कार्रवाई करने के बजाय बार-बार वही रास्ता चुना, जिसने दोनों देशों के बीच अविश्वास को गहरा किया।

पाकिस्तान को यह समझना होगा कि पानी कोई ऐसा विषय नहीं है जिसे आतंकवाद से अलग करके देखा जा सकता है। जब एक देश लगातार दूसरे देश के नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने वाली गतिविधियों को रोकने में विफल रहता है, तो वह द्विपक्षीय संबंधों की बुनियादी जमीन को स्वयं कमजोर करता है। भारत ने वर्षों तक संधि का सम्मान किया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद भारत ने अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को निभाया। लेकिन जब आतंकवाद लगातार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती बनता रहा और पहलगाम जैसी घटना ने देश को झकझोर दिया, तब भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद और सामान्य संबंध एक साथ नहीं चल सकते।

भारत का सिंधु जल संधि को स्थगित करना इसी व्यापक नीति का हिस्सा है। इसका संदेश साफ है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत के साथ सामान्य संबंध बनाए रखने की उम्मीद एक साथ नहीं की जा सकती। पाकिस्तान यदि भारत के खिलाफ आतंक का रास्ता चुनता है तो उसे उसके राजनीतिक, कूटनीतिक और रणनीतिक परिणामों के लिए भी तैयार रहना होगा। अब लद्दाख में सिंधु नदी पर बन रहे चेक डैम पाकिस्तान के लिए एक और संदेश लेकर आए हैं। भारत केवल बयान नहीं दे रहा, बल्कि अपनी जल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जमीन पर योजनाएं तैयार कर रहा है। आने वाले समय में यदि सिंधु नदी के पानी के बेहतर उपयोग की और योजनाएं बनती हैं तो पाकिस्तान के लिए यह समझना मुश्किल नहीं होगा कि पुराने दौर की परिस्थितियां वापस नहीं आने वाली।

पाकिस्तान की सरकार आज यदि अपने लोगों के सामने पानी की समस्या के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश करती है तो यह आधा सच होगा। असली सवाल यह है कि पाकिस्तान को ऐसी स्थिति में पहुंचाया किसने। भारत ने तो अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाया है। पहलगाम का आतंकी हमला किसने किया, आतंकियों को किस तरह का समर्थन मिलता रहा, सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान ने कितनी ईमानदार कार्रवाई की और दोनों देशों के संबंधों को किसने लगातार खराब किया, इन सवालों से पाकिस्तान की सरकार और उसकी व्यवस्था बच नहीं सकती।करोड़ों पाकिस्तानी नागरिकों के सामने पानी की चुनौती खड़ी होती है तो इसका दोष केवल भारत पर डाल देना आसान राजनीतिक रास्ता हो सकता है, लेकिन यह जनता को सच्चाई से दूर रखने जैसा होगा। पाकिस्तान की आवाम को यह सवाल अपनी सरकार से पूछना चाहिए कि भारत के साथ दुश्मनी और आतंकवाद की नीति ने देश को क्या दिया। आर्थिक संकट से जूझता पाकिस्तान पहले ही अनेक मोर्चों पर परेशान है। ऐसे में पानी जैसी मूलभूत जरूरत से जुड़ा संकट उसके लिए और गंभीर चुनौती बन सकता है।भारत के लिए यह अवसर केवल पाकिस्तान पर दबाव बनाने का नहीं, बल्कि अपने सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास का भी है। लद्दाख में जल संरक्षण की योजनाएं वहां के किसानों और स्थानीय आबादी के लिए राहत लेकर आ सकती हैं। सिंधु का पानी यदि स्थानीय जरूरतों के लिए संरक्षित किया जाता है तो इससे खेती, पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है।

पर्युषण - मन की भटकन मिटाकर आत्मा को निर्मल बनाने वाला अलौकिक पर्व

जैन धर्म में पर्युषण महापर्व का स्थान अत्यंत ऊंचा और विशिष्ट है। यह केवल धार्मिक परंपरा निभाने का अवसर नहीं, बल्कि मनुष्य को अपने भीतर झांकने, जीवन का मूल्यांकन करने और आत्मा को विकारों से मुक्त करने की प्रेरणा देने वाला पर्व है। जैन दर्शन का मूल संदेश अहिंसा, संयम, अपरिग्रह, सत्य, करुणा और आत्मजागरण है। पर्युषण इन्हीं सिद्धांतों को जीवन में उतारने का विशेष अवसर प्रदान करता है। यही कारण है कि इसे पर्वराज कहा गया है। यह बाहरी उत्सव से अधिक अंतरात्मा का उत्सव है, जिसमें श्रावक-श्राविकाएं अपने जीवन को धर्म, तप, त्याग और आत्मचिंतन से समृद्ध करने का प्रयास करते हैं।

वर्षा ऋतु प्रकृति को नई ऊर्जा देती है। गर्मी से सूखी धरती वर्षा का जल पाकर फिर हरी-भरी हो जाती है। इसी प्रकार चातुर्मास में संतों और साध्वियों के सान्निध्य से समाज के भीतर भी धर्म की चेतना का संचार होता है। उनकी वाणी मनुष्य को संसार की भागदौड़ से कुछ समय हटकर आत्मा की ओर देखने की प्रेरणा देती है। चातुर्मास के दौरान धर्मसभा, स्वाध्याय, सामायिक, प्रतिक्रमण, तप, जाप और संयम जैसी साधनाओं के माध्यम से श्रावक-श्राविकाओं को आत्मिक विकास का अवसर मिलता है। इसी धार्मिक वातावरण में पर्युषण का आगमन मनुष्य के लिए विशेष जागरण का संदेश लेकर होता है।

जैन धर्म में भगवान महावीर ने मनुष्य को बाहरी उपलब्धियों से अधिक अपने स्वभाव की पहचान करने का मार्ग बताया। मनुष्य जब अपने वास्तविक स्वरूप को भूलकर परभाव और विषय-वासनाओं में उलझ जाता है, तब उसके जीवन में अशांति बढ़ती जाती है। इच्छा, क्रोध, मान, माया और लोभ मन को निरंतर भटकाते रहते हैं। पर्युषण इस भटकन को रोककर व्यक्ति को अपने भीतर लौटने का अवसर देता है। यह पर्व पूछता है कि हम वर्षभर किस दिशा में चलते रहे, हमारे व्यवहार से किसी को दुख तो नहीं पहुंचा, हमने अपने जीवन में कितना संयम अपनाया और आत्मकल्याण के लिए कितना पुरुषार्थ किया।

आज का जीवन सुविधाओं से भरपूर होने के बावजूद मानसिक तनाव और असंतोष से घिरा दिखाई देता है। मनुष्य बाहरी सुखों की खोज में लगातार दौड़ रहा है, लेकिन भीतर की शांति उससे दूर होती जा रही है। जैन धर्म का अध्यात्म इसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। वह बताता है कि स्थायी आनंद बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि में है। पर्युषण इसी सत्य को अनुभव करने का अवसर है। इन दिनों श्रावक-श्राविकाएं अपनी दिनचर्या में धर्म को प्रमुखता देते हैं और भोजन, मनोरंजन तथा सांसारिक व्यस्तताओं के स्थान पर आत्मचिंतन और साधना को महत्व देते हैं।

पर्युषण का एक बड़ा उद्देश्य तप और त्याग की भावना को मजबूत करना है। अपनी क्षमता के अनुसार उपवास, एकासन, आयंबिल, सामायिक, स्वाध्याय और अन्य धार्मिक नियमों का पालन करने से व्यक्ति में आत्मअनुशासन विकसित होता है। तप केवल शरीर को कष्ट देने का साधन नहीं है, बल्कि इच्छाओं पर नियंत्रण और मन को साधने की प्रक्रिया है। जब व्यक्ति अपनी आदतों और इच्छाओं पर संयम करना सीखता है, तब उसके भीतर धैर्य और आत्मविश्वास बढ़ता है। इससे जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी अनुशासन और संतुलन आता है।

पर्युषण श्रावक-श्राविकाओं को क्षमा, करुणा और मैत्री का संदेश भी देता है। मन में किसी के प्रति नाराजगी, द्वेष या कटुता बनी रहे तो आत्मा पर उसका प्रभाव पड़ता है। इसलिए यह पर्व पुराने मनमुटाव को समाप्त करने और संबंधों में मधुरता लाने का अवसर देता है। क्षमा मांगना और क्षमा करना दोनों ही आत्मिक शुद्धि के महत्वपूर्ण साधन हैं। इससे मन का बोझ हल्का होता है और व्यक्ति भीतर से अधिक शांत अनुभव करता है।इस पर्व का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष आत्मनिरीक्षण है। जिस प्रकार वर्षभर के व्यापार का हिसाब लगाया जाता है,

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता।

दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो, साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते है कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रधानता है, दुनिया में उनकी कमी नहीं है। उन्हें ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से अनीति के दुःखदाई मार्ग से पीछे नहीं हटाया जा सकता।

आज का राशिफल

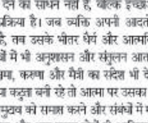

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय, पूर्वे शुक्रोदय, पश्चिमी तिथि, 30, शुक्रवार, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्रे, साध्य योगे, नामाकरण करणे, सिंह की चंद्रमा, कुशग्राहणी अमावस्या, तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी/

आज जन्म लिए बालक का फल......

आज जन्म लिया बालक जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उत्तमवृत्ति वाला, धनीमानी, योगी-भोगी, लेखक-कवि होगा।

मेष राशि :- इष्ट-मित्र सहायक बने रहेंगे, सुख के साधन बनेंगे किन्तु गुप्त चिन्ता बनी रहेगी।

वृष राशि :- अतिभावुकता से हानि, दूर की योजना तथा व्यवसायिक यात्रा सतर्कता से करें।

मिथुन राशि :- आर्थिक योजना सफल होगी, मित्र-सहायक होंगे तथा रुके कार्य बन जायेंगे ध्यान दें।

कर्क राशि :- योजनायें फलीभूत होंगी, तनाव से बचें, बनते कार्य में अवरोध होगा।

सिंह राशि :- चिन्तायें कम होंगी, धन का लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, रुके कार्य बनेंगे।

कन्या राशि :- कार्ययोजना में बाधा से मन-उद्विग्न रहेगा तथा विभ्रम होने से बचें ध्यान रखें।

तुला राशि :- किसी से धोखा व विवाद होने की संभावना, समय का ध्यान आप अवश्य रखें।

वृश्चिक राशि :- कार्यगति में बाधा होते हुये भी सफलता मिलेगी, धैर्य से कार्य करें, ध्यान रखें।

धनु राशि :- अधिकारी वर्ग से तनाव, मित्र की उपेक्षा से तनाव, अशांति तथा कार्यबाधा होगी।

मकर राशि :- स्त्री-वर्ग से हर्ष, एश्वर्य की प्राप्ति, व्यावसायिक क्षमता अनुकूल बनी रहेगी।

कुंभ राशि :- कार्य-विफलता, प्रयत्न करने पर भी सफलता दिखायी न दे, कार्य अवरोध होगा।

मीन राशि :- तनाव कुछ कम होगा, उद्विग्नता बनी रहेगी, सतर्कता से रुके कार्य बना लें।

विनोबा का बिहार, भूदान की अधूरी जमीन

जमीन चुप रहती है, लेकिन उसकी मेड़ पर इतिहास के सबसे बेचैन सवाल लिखे होते हैं। किसी खेत की मिट्टी में पीढ़ियों का श्रम मिला होता है और किसी भूमिहीन के लिए वही मिट्टी जीवन की पहली शर्त होती है। इसलिए 75 वर्ष पहले जब आचार्य विनोबा भावे तेलंगाना के पोचमपल्ली गांव से पैदल निकले थे, तो वे केवल जमीन मांगने नहीं निकले थे। वे मनुष्य के भीतर उस करुणा को जगाने निकले थे, जो संपत्ति को केवल निजी अधिकार नहीं, सामाजिक दायित्व के रूप में देख सके।

18 अप्रैल 1951 को पोचमपल्ली से आरंभ हुई भूदान यात्रा आगे चलकर एक विराट सामाजिक प्रयोग में बदल गई। इसे केवल भूमिहीनों को जमीन दिलाने का अभियान मानना उसके व्यापक अर्थ को सीमित कर देना होगा। इसके पीछे सर्वोदय, ग्राम स्वराज, ट्रस्टीशिप, शांति और मैत्री का वह दर्शन था, जिसमें मनुष्य से कहा जा रहा था कि उसके पास जो कुछ है, उसमें समाज का भी हिस्सा है। इसी भाव से भूदान आगे ग्रामदान तक पहुंचा, 'जय जगत्' का मंत्र उभरा, सर्वोदय-पात्र की कल्पना सामने आई और यह आग्रह पैदा हुआ कि जिसके पास जमीन देने को नहीं है, वह कम-से-कम एक मुट्ठी अन्न देकर भी साझी मानवता में अपना योगदान दे। विनोबा की पदयात्रा ने स्वतंत्रता के बाद गांधी के लाखों अनुयायियों के सामने एक नया रास्ता खोला। गांधी की हत्या के बाद यह बेचैनी थी कि उनके अधूरे स्वप्नों को कौन आगे ले जाएगा। विनोबा ने इस शून्य को किसी राजनीतिक संगठन या सत्ता के सहारे नहीं, बल्कि पैदल चलकर भरा। वे गांव-गांव गए, लोगों से मिले और समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को अपने चिंतन का केंद्र बनाया। इसीलिए भूदान यात्रा का भूगोल जितना व्यापक था, उसका भावलोक उससे भी बड़ा था। चंबल के बीहड़ों में दस्यु सरगनाओं ने हथियार डालकर शांतिपूर्ण जीवन का संकल्प लिया। कोरापुट और असम में ग्रामदान के प्रयोग हुए। असम के वनवासी इलाकों में महिलाओं के नेतृत्व में गांवों के सामूहिक दान का प्रयोग हुआ। चीन के आक्रमण के दौर में भी विनोबा वहां के लोगों के लिए नैतिक साहस का स्रोत बने रहे। राजस्थान के किसी घर में विनोबा के बैठने वाली एक साधारण खाट को परिवार ने इसलिए धरोहर की तरह संभालकर रखा कि उस पर कभी विनोबा बैठे थे। बेंगलुरु में विवेकानंद के बैठने वाली एक साधारण पत्थर की बेंच की तरह ये स्मृतियां बताती हैं कि भारत में महापुरुष केवल इतिहास के पात्र नहीं होते, वे परिवारों की भावनात्मक स्मृति में भी जीवित रहते हैं।

विनोबा स्वयं भारत को बुद्ध, महावीर, रामानुज, शंकराचार्य, नानक, कबीर, तुलसी, मीरां, रैदास, चैतन्य, ज्ञानेश्वर, विवेकानंद और गांधी की भूमि के रूप में देखते थे। उनके लिए यह करुणा और आत्मदान की परंपरा वाली धरती थी। इसलिए भूदान जैसा प्रयोग भारत में संभव हुआ। यह विश्वास केवल विनोबा का नहीं था। उस समय के साहित्यकारों और कवियों ने भी इस आंदोलन को अपने शब्दों में अभिव्यक्ति दी।

माखनलाल चतुर्वेदी ने विनोबा को संबोधित करते हुए उन्हें अनबोलों की बोली और अकुलाते लोगों की गुहार कहा। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने 'भूमिदान' में भूदान को गांधी के आगे बढ़ते हुए विचार की नई रोशनी के रूप में देखा। दिनकर की कविता में भूमिहीन किसानों की बेचैनी और संपन्न वर्ग के सामने खड़ा नैतिक प्रश्न दोनों उपस्थित हैं। उनके लिए विनोबा का भूदान मांगना किसी दुर्बल की याचना नहीं, बल्कि आने वाली सामाजिक क्रांति को अहिंसक रास्ता देने का प्रयत्न था।

भूदान की इसी दूसरी यात्रा में बिहार का विशेष स्थान बना। बुद्ध की भूमि को विनोबा ने अपने प्रयोग की प्रयोगशाला बनाया और लगभग चार वर्षों तक बिहार में रहे। 1952 में उनके बिहार प्रवेश के साथ आंदोलन ने व्यापक रूप ग्रहण किया। उस समय बिहार भूमि-संबंधी असमानता, जमींदारी उन्मूलन और ग्रामीण तनाव के दौर से गुजर रहा था। जमीन यहां केवल उत्पादन का साधन नहीं थी; वह सामाजिक प्रतिष्ठा, आर्थिक सुरक्षा और राजनीतिक प्रभाव का आधार थी। जिसके पास जमीन थी, उसके पास गांव में शक्ति थी और जिसके पास नहीं थी, उसकी निर्भरता पीढ़ियों तक चलती थी।विनोबा ने इस असमानता को केवल कानून से हल करने की कोशिश नहीं की। उन्होंने संपन्न लोगों के विवेक को संबोधित किया। उनका आग्रह गांधी की ट्रस्टीशिप की अवधारणा से जुड़ा था—संपत्ति रखिए, लेकिन उसे समाज से अलग मत समझिए। बिहार में श्रीकृष्ण सिंह, अनुग्रह नारायण सिंह, जयप्रकाश नारायण सहित अनेक नेताओं और सर्वोदय कार्यकर्ताओं ने आंदोलन को अलग-अलग स्तर पर समर्थन दिया। गया, दरभंगा, पूर्णिया, सहरसा और दूसरे जिलों में भूदान की गतिविधियां तेज हुईं। बड़े भूमिधरों द्वारा जमीन दान करने की घोषणाएं हुईं। भूदान ने गांवों में जमीन के सवाल की एक नई भाषा पैदा की—ऐसी भाषा जिसमें संघर्ष की जगह संवाद और अधिकार के साथ दायित्व की बात थी। लेकिन भूदान की असली परीक्षा जमीन दान करने की घोषणा के बाद शुरू होती थी।

किसी भूमिधर ने जमीन देने का संकल्प किया। दानपत्र बना। रकबा दर्ज हुआ। लेकिन क्या वह जमीन भूमिहीन तक पहुंची? क्या उसका सीमांकन हुआ? क्या राजस्व अभिलेख में नाम चढ़ा? क्या जमीन विवादमुक्त थी? क्या लाभार्थी को वास्तविक कब्जा मिला? दानपत्र और खेत की मेड़ के बीच का फासला कई जगह बहुत लंबा साबित हुआ। कहीं जमीन विवादित थी, कहीं उस पर पहले से कब्जा था, कहीं राजस्व रिकॉर्ड अस्पष्ट थे और कहीं वितरण की प्रक्रिया अधूरी रह गई। कुछ मामलों में कागज पर जमीन थी, लेकिन जमीन पर उसका अस्तित्व नहीं था। इस तरह भूदान का नैतिक उजाला धीरे-धीरे प्रशासनिक अंधेरों में उलझता गया। यही भूदान की सबसे बड़ी विडंबना है—जिस आंदोलन ने संपत्ति और सत्ता के केंद्रीकरण को चुनौती देने के लिए मनुष्य की अंतरात्मा को जगाया, उसका एक बड़ा हिस्सा बाद में सरकारी फाइलों, राजस्व अभिलेखों और मुकदमों में उलझ गया।

बिहार में भूदान यज्ञ समिति जैसी संस्थागत व्यवस्था इसी उद्देश्य से बनी थी कि दान में प्राप्त भूमि का संरक्षण हो और उसे निर्धारित लाभार्थियों तक पहुंचाया जाए। लेकिन समय के साथ उसकी कार्यक्षमता पर सवाल उठे। 2018 में बिहार भूदान यज्ञ समिति को भंग कर उसके कार्यों की जिम्मेदारी राजस्व परिषद को सौंप दी गई। इसके बाद समिति का पुनर्गठन नहीं हुआ। सर्वोदय और भूदान से जुड़े संगठनों ने इसे लेकर चिंता जताई और भूदान की जमीनों की सुरक्षा तथा वितरण के लिए प्रभावी संस्थागत व्यवस्था की मांग की। लेकिन प्रश्न केवल किसी समिति के पुनर्गठन का नहीं है। मूल प्रश्न यह है कि भूदान की जमीन का सामाजिक चरित्र कौन बचाएगा? राजस्व विभाग के पास रिकॉर्ड हो सकते हैं, प्रशासन के पास फाइलें हो सकती हैं, लेकिन भूदान की जमीन केवल खाता, खसरा और रकबा नहीं है। उसके साथ एक ऐतिहासिक संकल्प जुड़ा है—जिसके पास जमीन नहीं है, जमीन उसके जीवन का आधार बने। इसलिए भूदान के 75 वर्ष पूरे होने पर सबसे जरूरी काम समारोह करना नहीं, बल्कि उसकी जमीन को खोज निकालना है। सरकार को जिलेवार सार्वजनिक करना चाहिए कि भूदान में कितनी जमीन मिली, कितनी वितरित हुई, कितने लाभार्थियों को वास्तविक कब्जा मिला और कितनी जमीन आज भी विवाद, अतिक्रमण या प्रशासनिक उदासीनता में फंसी हुई है।

पुराने दानपत्रों को राजस्व रिकॉर्ड से मिलाना होगा। जमीन का भौतिक सत्यापन और सीमांकन करना होगा।

फिल्म वर्ग पहेली- 7321

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रेखा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीनी रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ने जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूजा की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'महला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बरात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. विजय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, साधना की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'सुनना तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम दोनों को यो प्यारे' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,३
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7320

Jagrutidaur.com, Bangalore

ट्रंप की सीधी चेतावनी- ईरान के पिकैक्स माउंटेन पर हो सकता है हमला

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के महत्वपूर्ण ठिकाने पर संभावित हमले का संकेत दिया है। अपने भाषण के दौरान, ट्रंप ने पिकैक्स माउंटेन का जिक्र कर कहा कि अमेरिका को वहां बहुत जोरदार हमला करना पड़ सकता है। उन्होंने ईरान को आगाह किया कि वह ज्यादा चालाकी न करे, क्योंकि अमेरिका वहां थोड़ी गतिविधि देख रहा है। ट्रंप लंबे समय से इस जगह को लेकर चेतावनी देते आ रहे हैं, जुलाई के मध्य से ही वह इस पर अपनी नजर होने की बात कह रहे थे।पिकैक्स माउंटेन ईरान की राजधानी तेहरान से करीब 220 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है और नतांज कॉम्प्लेक्स से केवल 2 किलोमीटर दूर है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने मेहंदी लगाकर कमाए, 10 घंटे में एक लाख

न्यूयॉर्क। अमेरिका में रह रहीं भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रियंका जैन ने तकनीकी नौकरी के साथ अपने शौक को कमाई का जरिया बना लिया है। प्रियंका फुलटाइम सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। खाली समय में मेहंदी आर्टिस्ट के रूप में काम करती हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया वह मेहंदी लगाने के लिए करीब 100 डॉलर प्रति घंटे, भारतीय मुद्रा में 9 से 10 हजार रुपए फीस लेती हैं। ब्राइडल या वेडिंग मेहंदी की लंबी बुकिंग में उनकी कमाई और बढ़ जाती है। प्रियंका के अनुसार, 10 घंटे की ब्राइडल बुकिंग से करीब एक लाख रुपए की आय हो जाती है। कई ग्राहकों से 20 प्रतिशत तक टिप भी मिलती है।

जेलेंस्की के विमान से टकराने वाला था ड्रोन, बाल-बाल बची जान

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की उस समय बाल-बाल बचे, जब मोल्दोवा से उड़ान भरते समय उनका विमान एक अज्ञात ड्रोन की चपेट में आने वाला था। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोरे ने इस घटना का दावा किया है, जो उस समय हुई जब जेलेंस्की राजा हेराल्ड पंचम के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ओस्लो जा रहे थे। जोनास गार स्टोरे ने एक सार्वजनिक ब्रॉडकास्टर को दिए इंटरव्यू में इस घटना की जानकारी देते हुए कहा कि यह उदाहरण दर्शाता है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान सुरक्षा का खतरा कितना गंभीर है।

फिलीपींस में बीच समंदर धू-धूकर जली फेरी, 5 लोगों की मौत, 87 लापता

पलावान। फिलीपींस के लोकप्रिय पर्यटक स्थल पलावान के पास एक बड़ा समुद्री हादसा हुआ है, जहां कोरोन तट से दूर एक यात्री फेरी में भीषण आग लग गई। मनीला से कोरोन जा रही एम/वी जून एस्टर नाम की इस फेरी में बुधवार शाम अचानक आग लगने से समुद्र के बीच ऊंची लपटें उठने लगीं। फिलीपींस तटरक्षक बल ने तुरंत मदद की कोशिश की, लेकिन इस दुर्घटना में कम से कम 5 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

ईरान ढहने की कगार पर, नेतन्याहू ने
पकड़ी शिया देश की कमजोर नस

तेलअवीव। अमेरिकी और इजरायली हमलों के बावजूद ईरान भले ही अभी तक संघर्ष में टिका हुआ हो, लेकिन इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया है कि शिया देश अब पूरी तरह ढहने वाला है। उन्होंने हाल ही में सीरिया सीमा के दौरे पर रहते हुए घोषणा की कि ईरान की कमजोर नस अब उनकी पकड़ में आ गई है और ईरान बस लुढ़कने ही वाला है। नेतन्याहू ने ईरानी शासन के खात्मे की भविष्यवाणी की है। नेतन्याहू ने सीरिया में तैनात अपने सैनिकों से मुलाकात के दौरान खुलेआम दावा किया कि ईरान का शिया शासन अब अपने अंत के कगार पर खड़ा है और ताश के पत्तों की तरह कभी भी ढह सकता है। सीरिया में दिसंबर 2024 में बशर अल-असद की सत्ता उखड़ने के बाद इजरायल का हौसला काफी बुलंद है।

नेतन्याहू का मानना है कि तेहरान ने सालों से जो एक्सिस ऑफ रजिस्टेंस खड़ा किया था, वह अब पूरी तरह बिखरने वाला है। उन्होंने कहा कि इजरायल अब ईरान के तथाकथित आतंकी तंत्र को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने के बिल्कुल करीब पहुंच चुका है और मुख्य काम ईरान की मौजूदा हुकूमत को गिराना है। नेतन्याहू ने खुलासा किया कि ईरान की कमजोर नस हमास और हिजबुल्लाह हैं, जिन्हें इजरायली सेना ने नेस्तनाबूद कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमास, हिजबुल्लाह और सीरिया की असद सरकार के तबाह होने के बाद तेहरान अब बिल्कुल अकेला पड़ चुका है। जिस एक्सिस ऑफ रजिस्टेंस के दम पर ईरान पूरे मध्य पूर्व में अपनी धौंस जमाता था, उसकी एक-एक कड़ी इजरायल ने तोड़ दी है। इजरायली प्रधानमंत्री के अनुसार, ईरान के पतन के तीन मुख्य कारण हैं, उसका सुरक्षा कवच (हिजबुल्लाह, हमास, असद शासन) खत्म हो जाना; सीधी और लंबी जंग झेलने में उसकी लाचारी, क्योंकि सैन्य ऑपरेशन्स और आर्थिक प्रतिबंधों से तेल निर्यात ठप है और अर्थव्यवस्था बदहाल है; और ईरान के भीतर का घरेलू बवाल, जिससे शासन को जन-विद्रोह भड़कने का डर है। नेतन्याहू इसी अंदरूनी और बाहरी दबाव का फायदा उठाकर ईरान को पूरी तरह सरेंडर करने पर मजबूर कर रहे हैं।इस हाई-प्रोफाइल दौरे पर नेतन्याहू के साथ इजरायल के रक्षा मंत्री भी मौजूद थे। दोनों शीर्ष नेताओं ने माउंट हरमोन के सीरियाई हिस्से का दौरा किया, जो इजरायल और सीरिया की सीमा पर स्थित एक संवेदनशील पहाड़ी इलाका है। दिसंबर 2024 में असद के सत्ता से बेदखल होने के बाद से इजरायली सेना ने दक्षिणी सीरिया में अपना दबदबा बना रखा है और एक विशेष सिक्योरिटी जोन पर कब्जा जमाया हुआ है। नेतन्याहू ने सीरियाई सरजमीं से दो टूक लहजे में कहा कि वे अपनी सीमा पर किसी भी आतंकी सेना या उग्रवादी गुट को पैर जमाने की इजाजत नहीं देंगे। दमिश्क के नए हुक्मरानों ने इजरायली नेताओं के इस तरह सीरियाई जमीन पर घूमने की निंदा की है।

नेपाल बाढ़ त्रासदी: अपनों की पहचान के लिए गुजरात का डीएनए अभियान

काठमांडू। नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद गुजरात सरकार ने अपने उन लगभग 30 लापता नागरिकों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण डीएनए अभियान शुरू किया है, जिससे अब तक कोई संपर्क नहीं हुआ है। इस मानवीय पहल के तहत, 29 लापता व्यक्तियों के परिजनों के डीएनए नमूने पहले ही सफलतापूर्वक एकत्र किए गए हैं, जबकि शेष एक व्यक्ति के परिवार से नमूने लेने की प्रक्रिया जारी है। इन नमूनों की प्रोफाइलिंग की जा रही है, ताकि त्रासदी में मिले शवों और मानव अवशेषों की पहचान की जा सके।

गुजरात स्टेट नॉन-रेजिडेंट गुजराती फाउंडेशन (एनआरजीएफ), जो सामान्य प्रशासन विभाग के एनआरआई प्रभाग के अधीन कार्य करता है, इस पूरी प्रक्रिया में परिवारों और भारत तथा विदेशों की संबंधित एजेंसियों के साथ निरंतर समन्वय बनाए हुए है। यह अभियान केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप चलाया जा रहा है, जिसके तहत लापता लोगों के करीबी रिश्तेदारों के डीएनए नमूने लेने और उनकी प्रोफाइलिंग के लिए विशेष फोरेंसिक प्रयोगशालाएं तय की गई हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशानुसार, इन निर्धारित प्रयोगशालाओं में डीएनए प्रोफाइलिंग का कार्य निःशुल्क किया जा रहा है।

गुजरात में कार्य के लिए गांधीनगर, अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, जूनागढ़ और राजकोट सहित छह प्रयोगशालाएं सक्रिय हैं। गांधीनगर स्थित नेशनल फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी भारत में एकत्र किए गए डीएनए नमूनों की प्रोफाइलिंग और नेपाल में चल रही पहचान प्रक्रिया के साथ उनके मिलान को लेकर विदेश मंत्रालय के साथ गहन समन्वय कर रही है। एनएफएसयू की दस सदस्यीय फोरेंसिक टीम भी नेपाल में पहचान संबंधी प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल है, जबकि नेपाल पुलिस ने भी अपनी ओर से मिले शवों और मानव अवशेषों की डीएनए जांच शुरू कर दी है।

एनआरजीएफ प्रत्येक लापता व्यक्ति के परिजनों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर रहा है और उन्हें निर्धारित प्रयोगशालाओं तथा डीएनए नमूने देने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान कर रहा है। संस्था विदेशों में रहने वाले गैर-निवासी भारतीयों (एनआरआई) और अन्य रिश्तेदारों के साथ भी संपर्क में है।

मक्का पैक्ट में फंसा पाकिस्तान....अब तेहरान को दिखा रहा आंख

तेहरान। पाकिस्तान इस वक्त एक बड़ी कूटनीतिक दुविधा में फंसा हुआ है। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के बीच हुए मक्का पैक्ट के बाद, अब सऊदी-हूती संघर्ष बढ़ गया है। चूंकि हूती विद्रोहियों के संबंध ईरान से बताए जाते हैं, और मक्का पैक्ट के तहत पाकिस्तान सऊदी अरब के साथ खड़ा होने को बाध्य है, ऐसे में पाकिस्तान के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं। ईरान को कुछ कहता है तो वह पाकिस्तान को झिड़क रहा है, और कुछ नहीं कहता तो उसे युद्ध में उतरना पड़ सकता है।

यही वजह है कि पाकिस्तान इस वक्त फूंक-फूंककर कदम रख रहा है। जब सऊदी-हूती संघर्ष बढ़ गया तो पाकिस्तान शांति दूत बनकर पहुंचा और उसने ईरान को एक संदेश भेजा। यह मैसेज सऊदी अरब की ओर से ईरान को दिया गया था, जिसमें कहा गया था कि वह यमन में मौजूद हूती विद्रोहियों को अपने नियंत्रण में ले और इस संघर्ष को खत्म करने में मदद करे। हालांकि, इस्लामाबाद को ईरान की ओर से मुंहतोड़ जवाब मिला। तेहरान ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह हूतियों पर कोई नियंत्रण नहीं रखता और न ही ऐसा कर सकता है। पश्चिमी देशों और कुछ सोर्सेज का मानना है कि हूती विद्रोहियों को ईरान ही हथियार देता है और उन्हें अपने फायदे के लिए इस्तेमाल भी करता है।

हूतियों और सऊदी अरब का संघर्ष यमन के गृहयुद्ध से जुड़ा हुआ है। साल 2014 में ईरान-समर्थित हूती विद्रोहियों ने सना पर कब्जा कर लिया। 2015 में सऊदी अरब ने यमन सरकार का समर्थन करते हुए हवाई हमले शुरू किए। लंबे युद्ध के बाद साल 2022 में युद्धविराम हुआ, लेकिन साल 2026 में तनाव फिर बढ़ गया। हूतियों ने लाल सागर में सऊदी जहाजों पर हमले किए और सितंबर में सऊदी के दक्षिणी शहरों पर ड्रोन-मिसाइल हमले कर 73 लोगों को घायल किया, जिसके बाद से तनाव और ज्यादा बढ़ गया है। पाकिस्तान इस परिस्थिति में दोधारी तलवार पर चल रहा है। एक तरफ तो उसने ईरान-अमेरिका के बीच शांति की मध्यस्थता का जिम्मा उठा रखा है। वहीं दूसरी ओर मक्का पैक्ट की वजह से वह सऊदी अरब की ओर से लड़ने के लिए बंध चुका है।

होर्मुज में ईरान ने अमेरिकी मानव रहित पनडुब्बी पकड़ी

- अमेरिका ने आरोपों को किया खारिज

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच एक नई घटना सामने आई है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने दावा किया है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वार पर अमेरिका की एक मानव रहित पनडुब्बी को पकड़ लिया है। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, यह सबमरीन एक डाइव-एलडी थी, जिसे कैलिफोर्निया की डिफेंस फर्म एंडुरिल ने बनाया है। यह एक बड़ी स्वायत्त अंडरवाटर व्हीकल है।रिवोल्यूशनरी गार्ड्स नेवी ने एक बयान में कहा, हमने आतंकवादी अमेरिकी सेना की सबसे आधुनिक, इंटेलिजेंट और बिना पायलट वाली सबमरीन में से एक को होर्मुज जलडमरूमध्य के एंट्री गेट पर फंसा लिया है। यह सबमर्सिबल नवीनतम टेक्नोलॉजी से लैस है। इसके जवाब में, पेंटागन के एक प्रवक्ता ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि एक अंडरवाटर ड्रोन एक दिन से ज्यादा समय पहले खराब हो गया था। प्रवक्ता ने स्पष्ट किया, यह चल रहे ऑपरेशन के सपोर्ट में इलाके के पानी का सर्वे कर रहा था। खराब हुआ ड्रोन एक पुराना मॉडल था जो न तो संवेदनशील डेटा इकट्ठा करता था और न ही कोई वर्गीकृत सोनार या रडार उपकरण रखता था। एंडुरिल कंपनी ने भी अपने एक जहाज के नुकसान की पुष्टि की, लेकिन घटना की गंभीरता को कम करके बताया। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा, डाइव-एलडी एक एट्रीब्यूटेबल ऑटोनॉमस सिस्टम है, जिसका मतलब है कि इसे शुरू से ही खतरनाक माहौल में काम करने के लिए डिजाइन किया गया है, जहां वाहन के नुकसान की उम्मीद रहती है। अमेरिकी सेना मानव रहित नौसेना प्रणालियों में भारी निवेश कर रही है, जिसमें पानी के नीचे और सतह पर चलने वाले जहाज शामिल हैं, ताकि समुद्र के बड़े इलाकों पर नजर रखी जा सके, खुफिया जानकारी इकट्ठा की जा सके और नाविकों को खतरे में डाले बिना दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों को ट्रैक करने के सस्ते तरीके मिल सकें।

अमेरिका में बर्थराइट सिटिजनशिप पर छिड़ी तीखी बहस

वाशिंगटन। अमेरिका में अस्थायी वीजा पर रह रहे लोगों या अवैध प्रवासियों से जन्मे बच्चों की नागरिकता का अधिकार फिर राष्ट्रीय बहस का केंद्र बन गया है। रिपब्लिकन सांसद इन अधिकारों पर कुछ सीमाएं लगाने की मांग कर रहे हैं, जबकि डेमोक्रेट्स अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन के तहत मिलने वाले जन्मजात नागरिकता के अधिकार का बचाव कर रहे हैं। हाल ही में प्रतिनिधि सभा की न्यायपालिका उपसमिति की सुनवाई के दौरान यह मुद्दा गरमा गया, जहां रिपब्लिकन नेताओं ने कांग्रेस से इस पर कार्रवाई करने का आग्रह किया। उपसमिति के रिपब्लिकन अध्यक्ष चिप रॉय ने कांग्रेस से उसके अधिकार क्षेत्र के अधीन वाक्यांश की स्पष्ट परिभाषा तय करने की मांग की। उनका तर्क था कि संशोधन का उद्देश्य अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों या अस्थायी तौर पर देश में आए लोगों के बच्चों को स्वतः अमेरिकी नागरिकता देना नहीं था। रॉय ने 1898 के वोंग किम आर्क मामले को गलत तरीके से उद्धृत करने का आरोप लगाया, यह कहते हुए कि वह मामला कानूनी और स्थायी रूप से अमेरिका में रह रहे प्रवासियों के बच्चों से संबंधित था। उन्होंने जन्म के लिए अमेरिका आने (बर्थ टूरिज्म) की प्रवृत्ति को रोकने और अमेरिकी नागरिक होने की गरिमा बनाए रखने पर जोर दिया।

इमिग्रेशन अकाउंटेबिलिटी प्रोजेक्ट की सह-संस्थापक रोजमेरी जेन्क्स और कांसास के अटॉर्नी जनरल क्रिस कोबैक ने भी रिपब्लिकन पक्ष का समर्थन किया। जेन्क्स ने समिति को बताया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला कांग्रेस को नागरिकता से जुड़े मामलों पर कानून बनाने से नहीं रोकता। उन्होंने इमिग्रेशन एंड नेशनलिटी एक्ट में संशोधन कर अवैध प्रवासियों और अस्थायी निवासियों के बच्चों के लिए अपवाद तय करने का सुझाव दिया। कोबैक ने भी कहा कि कांग्रेस के पास अब भी कानून बनाने का अधिकार है और बर्थ टूरिज्म को लक्षित करने वाले सीमित व विशेष कानून अदालत में मान्य हो सकते हैं।

माल्या बोले- ब्रिटेन छोड़ने पर रोक, भारत कैसे लौटूं.........सोचता हूं कॉकरोच बन जाऊं

एक दशक से लंदन में रह रहे कारोबारी का दावा- ईडी ने बैंकों को 14,131 करोड़ रुपये की संपत्ति से रकम लौटाई, फिर भी भगोड़ा कहा जा रहा

लंदन। ब्रिटेन में रह रहे कारोबारी विजय माल्या ने एक बार फिर भारत सरकार और जांच एजेंसियों पर अन्याय करने का आरोप लगाया है। माल्या ने कहा कि ब्रिटेन में चल रही कानूनी प्रक्रिया के कारण वह भारत लौट नहीं पा रहे हैं। उन्होंने खुद को भगोड़ा मानने से इनकार करते हुए कहा कि उन्हें गलत तरीके से इस तरह पेश किया जा रहा है।

दरअसल विजय माल्या ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई पोस्ट किए। इनमें उन्होंने हाल में हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए अपने खिलाफ हो रहे कथित अन्याय पर टिप्पणी की। उन्होंने लिखा कि स्थिति को देखते हुए उन्हें लगता है कि उन्हें कॉकरोच बन जाना चाहिए, शायद इससे बेहतर जिंदगी जी सकें। माल्या ने कहा कि वह भगोड़े नहीं हैं और ब्रिटेन की कानूनी प्रक्रिया ने उन्हें भारत लौटने से रोक रखा है।

माल्या ने बॉम्बे हाईकोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दाखिल किए गए बताए जा रहे एक हलफनामे का हिस्सा भी साझा किया। उनका दावा है कि इसमें 14,131.60 करोड़ रुपये की वसूली का उल्लेख है। उन्होंने कहा कि यह रकम उनकी संपत्तियों से वसूल कर बैंकों को लौटाई गई, जिनका पैसा किंगफिशर एयरलाइंस के कर्ज के रूप में बकाया था। माल्या ने सवाल उठाया कि जब इतनी बड़ी रकम की वसूली हो चुकी है तो अब भी उन्हें ऐसा व्यक्ति क्यों बताया जाता है, जिसने बैंकों को धोखा दिया। उन्होंने मीडिया में उन्हें धोखेबाज कहे जाने पर भी आपत्ति जताई और कहा कि इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि उन्हें उनकी संपत्तियों से हुई वसूली में से उनका रिफंड कब मिलेगा।

2016 में भारत छोड़ गए थे

विजय माल्या पर किंगफिशर एयरलाइंस के लिए एसबीआई समेत कई बैंकों से करीब 9,000 करोड़ रुपये का कर्ज लेकर उसे नहीं चुकाने का आरोप है। वह 2 मार्च 2016 को भारत छोड़कर ब्रिटेन चले गए थे। इसके बाद 2019 में उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया। भारत सरकार ब्रिटेन से उनके प्रत्यर्पण की कोशिश कर रही है। वहीं, माल्या ब्रिटेन में चल रही कानूनी प्रक्रिया का हवाला देते हुए भारत वापसी में असमर्थता जताते रहे हैं।

"हमारी सड़कों से दफा हो जाओ, 'मिस्टर सिंह' तुम्हें वाहन चलाना नहीं आता"

-अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के विज्ञापन पर विवाद, सिख समुदाय भड़का

वाशिंगटन। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग के विज्ञापन पर विवाद बढ़ गया जिसमें 'मिस्टर सिंह' को खुद देश छोड़ने के लिए कहते हुए संदेश लिखा है। अधिकार समूहों ने इस विज्ञापन को ''नस्लवादी'' और ''अमेरिका-विरोधी'' बताया है। गृह सुरक्षा विभाग ने बिना लाइसेंस वाले वाणिज्यिक चालकों के खिलाफ अपने अभियान के तहत एक्स पर एआई से तैयार तस्वीरों का इस्तेमाल किया जिसमें भूरी दाढ़ी वाले एक व्यक्ति को दिखाते हुए संदेश लिखा- ''हमारी सड़कों से दफा हो जाओ, 'मिस्टर सिंह' आपको वाहन चलाना नहीं आता।'' पोस्ट किए गए एक अन्य वीडियो में जानी मानी अमेरिकन-जापानी फिल्म 'ट्रांसफॉर्मर्स' के मुख्य खलनायक किरदार 'मेगाट्रॉन' को 'एलियंस' की रिहाई के लिए बातचीत करते दिखाया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी प्रशासन विदेशी नागरिकों के लिए -एलियंस- शब्द का इस्तेमाल करता है। वीडियो में 'मेगाट्रॉन' सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों में शामिल ट्रक चालकों हरजिंदर सिंह, राजविंदर कुमार, बेकझान बेशेकोव, अख्तोर बोजोरोव और जसवीर सिंह की रिहाई की मांग करता नजर आ रहा है। गृह सुरक्षा विभाग ने पोस्ट में कहा कि अगर आप इस देश में शत्रुतापूर्ण इरादे से कदम रखते हैं, तो यह जान लें कि हम अपनी रक्षा करेंगे। हम अमेरिकी मूल्यों की रक्षा करेंगे। हम अपने देश की रक्षा करेंगे।

एक अन्य पोस्ट में 'ट्रांसफॉर्मर्स' के मुख्य नायक 'ऑप्टिमस प्राइम' को गृह सुरक्षा विभाग का पहचान-चिह्न बाजू पर पहने हुए दिखाया गया है। वह भूरे रंग की दाढ़ी वाले व्यक्ति से कहता है- 'खुद देश छोड़कर चले जाओ, वरना अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो।' विज्ञापन में 'मिस्टर सिंह' के संदर्भ की 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' और 'सिख कोएलिशन' सहित प्रमुख अधिकार समूहों ने कड़ी आलोचना की है।

पाकिस्तान में मुस्लिम ने बनाई गणेश प्रतिमा, सड़कों पर गूंजे बप्पा के नारे

क्या हिंदू-क्या मुस्लिम दोनों देशों के लोग वायरल वीडियो पर लुटा रहे प्यार

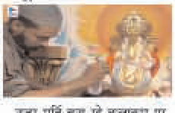

इस्लामाबाद। सोशल मीडिया पर इन दिनों पाकिस्तान के कराची से आया एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। आमतौर पर इंटरनेट पर दोनों मुल्कों के बीच कड़वाहट ही देखने को मिलती है, लेकिन इस वायरल वीडियो में जो नजारा देखने को मिला, उसने हर किसी का दिल छू लिया और लोगों के दिलों में मिठास घोल दी। वीडियो में कराची की सड़कों पर गणपति उत्सव की ऐसी रौनक देखने को मिली, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

इंस्टाग्राम पर एक यूजर ने यह वीडियो शेयर किया है। वीडियो में कराची के पुराने गणेश मठ मंदिर का दृश्य दिखाया गया है। बताया जा रहा है कि इस मंदिर की देखभाल वहां रहने वाला एक मराठी परिवार करता है, लेकिन वीडियो में सबसे प्यारी और खास बात तब देखने को मिली जब नजर मूर्ति बना रहे कलाकार पर पड़ी। वीडियो में साफ देखने को मिला कि सिर पर टोपी लगाए एक मुस्लिम कारीगर गणेश जी की मूर्ति को आकार दे रहा है। बड़े प्यार और ध्यान से उसमें रंग भर रहा है। वह पूरी लगन से बप्पा की मूरत को निखारने में जुटा था। वीडियो पर लिखा था- कौन हिंदू? कौन मुस्लिम? बप्पा का आशीर्वाद और कराची की खूबसूरती। यह बात लोगों को बहुत पसंद आई और लोग इसे दोनों देशों के लोगों के प्यार से जोड़ रहे हैं। कह रहे हैं त्योहार कोई भी हो यह लोगों को मिलाते हैं ना कि नफरत फैलाते हैं।

एक और क्लिप में कराची की सड़कों का नजारा देखने को मिला, जहां फूलों से सजी गाड़ी में गणपति का जुलूस निकाला जा रहा था।

हसीना की बेटी साइमा वाजेद ने डब्ल्यूएचओ पद से दिया इस्तीफा

धोखाधड़ी के आरोपों के बीच लिया नौकरी छोड़ने का फैसला

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय निदेशक साइमा वाजेद ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा डब्ल्यूएचओ और बांग्लादेशी अधिकारियों द्वारा चल रही धोखाधड़ी की जांच के बीच आया है। वाजेद ने 2024 की शुरुआत में डब्ल्यूएचओ के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय निदेशक का पद संभाला था, जिसका कार्यकाल पांच साल का था। हालांकि, जुलाई 2025 में उन्हें प्रशासनिक अवकाश पर भेज दिया गया था और बाद में यह अवकाश बिना वेतन के जारी रहा।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने मार्च 2025 में वाजेद के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप लगाए थे, जिसके बाद डब्ल्यूएचओ ने भी उनके खिलाफ जांच शुरू की थी। डब्ल्यूएचओ की ओर से लगाए गए आरोपों में चीन की यात्रा से जुड़े खर्च में वित्तीय धोखाधड़ी, अपनी शैक्षणिक योग्यता के बारे में गलत जानकारी देना और बांग्लादेश में जमीन का एक प्लॉट कथित तौर पर अवैध तरीके से हासिल करना शामिल थे। वाजेद ने इन सभी आरोपों से इनकार किया है। जुलाई 2026 में अपने वकीलों के जरिए डब्ल्यूएचओ को भेजे गए पत्र में वाजेद ने यात्रा खर्च में किसी तरह की धोखाधड़ी से इनकार किया था। उन्होंने कहा था कि करीब 901 डॉलर की राशि से जुड़े मामले में उनके एक सहायक से प्रशासनिक स्तर पर गलती हुई थी, जो नियमित खर्च की प्रतिपूर्ति प्रक्रिया देख रहा था। शैक्षणिक योग्यता से जुड़े आरोप पर वाजेद ने कहा कि उन्हें बांग्लादेश में ऑटिज्म के क्षेत्र में किए गए काम के लिए मानद डॉक्टरेट मिली है और उन्होंने डब्ल्यूएचओ महानिदेशक को इस योग्यता के बारे में स्पष्ट रूप से जानकारी दी थी।

रंगसंसार

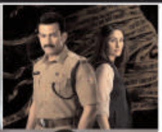

समाज सेवा को लेकर पूनम चर्चा में

अभिनेत्री पूनम पांडे अपने एक बयान की वजह से एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने तर्क दिया कि आज के समय में अधिकांश पुरुष मानसिक तनाव और हताशा से परेशान हैं, ऐसे में अगर उनके बोल्ड वीडियो या गाने उन्हें थोड़ी देर के लिए भी सुकून या राहत पहुंचाते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं है। इतना ही नहीं, उन्होंने पुरुषों का तनाव कम करने वाले अपने इस तरह कंटेंट को समाज सेवा तक करार दिया। एक पॉडकास्ट के अनुसार पूनम पांडे ने अपने एडल्ट कंटेंट को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने अपने काम को सही ठहराते हुए कहा कि वह जो करती हैं, उसे वह एक तरह की सोशल सर्विस मानती हैं। पूनम के मुताबिक, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बड़ी संख्या में लोग तनाव और मानसिक दबाव से गुजर रहे हैं, खासकर पुरुषों में स्ट्रेस काफी बढ़ गया है। एक्ट्रेस ने कहा कि अगर उनके किसी वीडियो को देखने के बाद किसी व्यक्ति का तनाव कम होता है या उसे कुछ देर के लिए सुकून महसूस होता है, तो इसमें गलत क्या है। उन्होंने अपने कंटेंट को लेकर यह भी कहा कि उन्होंने अब तक जिस स्टार पर भी काम किया है, उसे काफी खूबसूरती और बेहतर तरीके से शूट किया गया है।

फिल्म दायरा् में एक ही गाना

मेघना गुलज़ार की बहुप्रतीक्षित क्राइम थ्रिलर च्दायराज् अपनी कहानी और स्टारकास्ट के साथ-साथ अब संगीत को लेकर भी चर्चा में आ गई है। कुछ दिन पहले फिल्म की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेघना गुलज़ार ने बताया था कि फिल्म में सिर्फ एक गाना रखा गया है। अब इस गाने से जुड़ा सबसे बड़ा नाम सामने आया है- बी प्राक ने इसे अपनी आवाज़ दी है, जबकि गुलज़ार ने बोल लिखे हैं और अमित त्रिवेदी ने संगीत तैयार किया है। ऐसे में तीनों कलाकारों का यह सहयोग फिल्म के म्यूजिकल एलिमेंट को खास बना सकता है। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक, बी प्राक अपनी भावुक और दमदार आवाज के लिए जाने जाते हैं और च्रांझाज् व च्मिट्टीज् जैसे गानों के जरिए अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। दूसरी तरफ, गुलज़ार की शायरी और अमित त्रिवेदी का संगीत किसी परिचय का मोहताज नहीं है। ऐसे में इन तीनों की आवाज़, शब्द और संगीत का मेल च्दायराज् के लिए एक अनोखा म्यूजिकल एक्सपीरियंस तैयार कर सकता है। फिल्म की टीम ने अभी गाने से जुड़ी बाकी जानकारियों को सामने नहीं रखा है। लेकिन क्राइम थ्रिलर जैसी गंभीर कहानी में सिर्फ एक गाना होना अपने आप में खास दिलचस्पी पैदा करता है। पंजाबी सिंगर-एक्टर परमीश वर्मा ने पत्नी गीत ग्रेवाल से अलग होने की घोषणा के कुछ दिनों बाद जिंदगी में नेगेटिविटी से दूर रहने के बारे में एक मैसेज शेयर किया है। इंस्टाग्राम पर, गाल नी कडनी गाने वाले सिंगर ने अपने पिता के जन्मदिन के सेलिब्रेशन की झलकियां शेयर कीं और उनके प्रति अपना सम्मान जताया। परमीश ने नेगेटिविटी को दूर रखने की अहमियत पर भी जोर दिया। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, जिंदगी में नेगेटिविटी के लिए ज़ीरो जगह है, मैं किसी का फैन नहीं हूं, मेरे बापू ही मेरे हीरो हैं। तस्वीरों में एक्टर अपने पिता, मां और भाई सुखान वर्मा के साथ पोज़ देते हुए दिख रहे हैं। यह पोस्ट पंजाबी सिंगर-एक्टर द्वारा सोशल मीडिया पर एक बयान में गीत ग्रेवाल से तलाक की पुष्टि करने के एक दिन बाद आया है। परमीश ने यह भी माना कि इस समय उनकी जिंदगी में एक महिला है, जिससे एक्ट्रेस और मॉडल हरमन बरार के साथ उनके कथित रिश्ते को लेकर हफ्तों तक चली ट्रोलिंग और अटकलों पर विराम लग गया है। उन पर अपनी पूर्व पत्नी गीत ग्रेवाल के साथ बेवफाई के आरोप भी लगाए गए थे।

स्मृति ईरानी ने सुनाया संघर्ष का किस्सा

टीवी और राजनीति के क्षेत्र में अपना नाम बनाने वाली स्मृति ईरानी का सफर कुछ आसान नहीं था। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने बहुत परेशानियों का सामना किया। इतना ही नहीं उन्हें एक्ट्रेस बनने के लिए अपने पापा से भी मार खानी पड़ी। क्योंकि सास भी कभी बहू थी जैसे हिट सीरियल से अपनी पहचान बनाने वाली स्मृति ईरानी ने काफी सालों बाद अपने जीवन से जुड़ी कुछ पुरानी यादें शेयर की हैं, जो उन्होंने शायद ही पहले किसी से की हों। उन्होंने बताया कि मॉडल बनने के लिए उन्हें अपने परिवार के खिलाफ जाना पड़ा था, लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी। आज के समय में उन्होंने टीवी इंडस्ट्री से लेकर राजनीति में खूब नाम कमाया है।

विवादों की इतनी आदी हो चुकी हूं कि अब फर्क नहीं पड़ता- आम्रपाली दुबे

मुंबई । भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे इन दिनों रियलिटी शो च्बिग बॉस 20ज् में अपने अंदाज से दर्शकों का ध्यान खींच रही हैं। शो में प्रवेश करने से पहले अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार में अपने सफर, विवादों और च्बिग बॉसज् में खुद को पेश करने की चुनौतियों को लेकर खुलकर बात की। आम्रपाली का कहना है कि यह शो उनके लिए सिर्फ लोकप्रियता बढ़ाने का जरिया नहीं है, बल्कि दर्शकों को उनके किरदारों से अलग असली व्यक्तित्व दिखाने का मौका भी है। आम्रपाली दुबे ने कहा कि फिल्मों में उन्होंने अब तक ज्यादातर ऐसे किरदार निभाए हैं, जो पहले से लिखे हुए होते हैं। अभिनय के दौरान उन्हें कहानी और किरदार के मुताबिक अपनी भूमिका निभानी पड़ती है, लेकिन च्बिग बॉसज् में परिस्थितियां अलग हैं। यहां कोई लिखी हुई पटकथा नहीं होगी और दर्शक उन्हें उनके वास्तविक व्यवहार और व्यक्तित्व के साथ देख पाएंगे। अभिनेत्री के मुताबिक, यही बात उन्हें इस शो की ओर आकर्षित करती है।

भोजपुरी सिनेमा की पहुंच पर बात करते हुए आम्रपाली ने कहा कि भोजपुरी कलाकारों की पहचान सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। भोजपुरी भाषा दुनिया के कई हिस्सों में बोली और समझी जाती है। फिजी और मॉरीशस जैसे देशों के अलावा अमेरिका और इंग्लैंड में भी भोजपुरी भाषी दर्शक मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्मों और गानों को अलग-अलग देशों में पसंद किया जाता है और उनकी इंडस्ट्री की यही खासियत उसे व्यापक दर्शक वर्ग से जोड़ती है। अभिनेत्री ने कहा कि वह च्बिग बॉसज् के जरिए अपने इन्हीं प्रशंसकों को अपना ऐसा पक्ष दिखाना चाहती हैं, जिसे उन्होंने पहले शायद ही देखा हो। उनके लिए यह अपने दर्शकों के साथ सीधे जुड़ने का अलग अनुभव होगा।

शो में विवादों और भावनात्मक दबाव को लेकर पूछे गए सवाल पर आम्रपाली ने कहा कि वोट मिलना या न मिलना उनके नियंत्रण में नहीं है। दर्शक किसे पसंद करते हैं और किसे वोट देते हैं, यह पूरी तरह उनके हाथ में है। हालांकि, खुद को भावनात्मक रूप से स्थिर रखना उनके लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अगर वह भावनाओं पर नियंत्रण खो देती हैं या कमजोर पड़ती हैं, तो यह उनके लिए ज्यादा परेशान करने वाली स्थिति होगी। अपने विवादों को लेकर आम्रपाली ने कहा कि उनकी पूरी जिंदगी में केवल एक बार ऐसा विवाद हुआ है, जिसने काफी चर्चा बटोरी। अब वह विवादों और अपने बारे में होने वाली चर्चाओं की इतनी आदी हो चुकी हैं कि लोगों की बातों से उन्हें ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। अभिनेत्री का कहना है कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले कलाकारों के बारे में चर्चाएं होती रहती हैं, इसलिए वह इन चीजों के बजाय अपने काम और च्बिग बॉसज् के अनुभव पर ध्यान देना चाहती हैं।

हनुमान अंशज् की शूटिंग होती थी हनुमान चालीसा से शुरू

नीम करोली बाबा की कहानी पर आधारित च्हनुमान अंशज् फिल्म के सेट पर आध्यात्मिक माहौल और अनुशासन बनाए रखने के लिए कई सख्त नियम लागू किए गए थे। शूटिंग के दौरान गाली-गलौज, ऊंची आवाज में बहस और लड़ाई-झगड़े पर पूरी तरह रोक थी। इसके अलावा सेट पर नॉन-वेज खाना और शराब भी प्रतिबंधित थी। लेखक-निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने अपनी फिल्म च्हनुमान अंशज् की शूटिंग से जुड़े कई दिलचस्प किस्से सुनाए। निर्देशक ने बताया कि फिल्म की विषयवस्तु के अनुरूप सेट के माहौल को शांत और सकारात्मक रखने की कोशिश की गई। शूटिंग के हर दिन की शुरुआत हनुमान चालीसा के पाठ से होती थी। जब भी परिस्थितियां अनुमति देती थीं, दिन का समापन भी हनुमान चालीसा के साथ किया जाता था। चतुर्वेदी का मानना है कि इस परंपरा ने टीम को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने के साथ शूटिंग के दौरान आने वाली कई परेशानियों से निपटने में भी मदद की।

उन्होंने बताया कि कई बार सुबह सात बजे की शिफ्ट होने के बावजूद अलग-अलग कारणों से कैमरा काफी देर बाद रोल हो पाता था। ऐसे मौकों पर पूरी टीम एक साथ हनुमान चालीसा का पाठ करती थी। चतुर्वेदी के अनुसार, इसके बाद कई बार वे समस्याएं दूर हो जाती थीं, जिनके कारण शूटिंग में देरी हो रही थी। निर्देशक के लिए यह परंपरा नीम करोली बाबा यानी महाराज जी की शिक्षाओं से भी जुड़ी हुई थी। चतुर्वेदी ने कहा कि महाराज जी ने कभी अपने आसपास होने वाली अच्छी घटनाओं का श्रेय स्वयं नहीं लिया। वह हमेशा लोगों को भगवान हनुमान और भगवान राम की ओर प्रेरित करते थे। उनकी शिक्षाओं में भक्ति, सेवा, जरूरतमंदों को भोजन कराना और राम नाम के प्रचार को विशेष महत्व दिया गया। इसी विचार को फिल्म के प्रचार अभियान में भी शामिल किया गया।

निर्देशक के मुताबिक, टीम ने फिल्म का प्रचार केवल विज्ञापनों और दर्शकों से फिल्म देखने की अपील तक सीमित नहीं रखा। इसके बजाय आठ बड़े मंगल भंडारों का आयोजन कर लोगों को भोजन वितरित किया गया।

दैनिक पंचांग

11 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.15 बजे से
चंद्र	सिंह में	तुला	08.25 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.40 ब.से.
बुध	कन्या में	धनु	12.56 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.01 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.48 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.21 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.51 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.31 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मिथुन	23.29 बजे से
		कर्क	01.43 बजे से
		सिंह	03.59 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 254 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 08.57 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 13.16 बजे को समाप्त। **योग** साध्य 17.02 बजे को समाप्त। **करण** नाग 08.57 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 20.18 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 38' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872829 **जूलियन दिन** 2461294.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रबि उलावल **तारीख** 28 **विशेष** भाद्रपद अमावस्या, तान्हा पोला।

दिन का चौघड़िया		राত का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभाव श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मुश्किल में हो दिल तो देता है संकेत

सेहत

दिल का दौरा पड़ना आजकल सामान्य बात है। चिंता की बात यह है कि अब बड़ी संख्या में लोग हृदय रोग का शिकार होने लगे हैं। युवाओं में जिस तरह दिल के दौरे बढ़े हैं, उससे समस्या गंभीर हो गई है। जबकि पहले आम तौर पर हृदयरोग के मामले बड़ी उम्र के लोगों में देखे जाते थे। इसलिए सीने में बार-बार दर्द होने पर इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हमें यह भी जानना चाहिए कि हृदय रोग से किस तरह हम सुरक्षित रहें। चिकित्सकों का मानना है कि अस्वस्थ आहार और बदलती जीवनशैली इस समस्या की वजह है।

दिल पर बढ़ता बोझ

मनुष्य के शरीर में दिल एक अहम हिस्सा है। यह बिना एक पल गंवाए पूरे शरीर को लगातार आक्सीजन पहुंचाता रहता है। यही अशुद्ध रक्त जमा होने पर उसे फेफड़े में शुद्ध करने के लिए भेजता है। यानी दिल काम करना बंद कर दे, तो व्यक्ति एक पल भी जीवित नहीं रह सकता। वहीं यह नियमित रूप से काम न करे, तो धमनियों में रक्त संचार प्रभावित होने लगेगा। हृदय से जुड़ी धमनियां एवं शिराएं जीवन भर बिना थके काम करती हैं। इस तरह दिल पर पहले ही बहुत दबाव है। ध्यान रखें कि जो लोग मोटापे से शिकार हैं, उनका दिल जोखिम में है।

लापरवाही की मुश्किल

सभी जानते हैं कि यह रोग किसी की भी अचानक जान ले लेता है। ऐसे में हमें उन लापरवाहियों पर ध्यान देने की जरूरत है जिससे यह समस्या पैदा होती है। दिल कोई एक दिन में कमजोर नहीं होता। हृदय रोग से बचने के लिए रक्त शर्करा के स्तर की जांच कराते रहना चाहिए। इसी तरह अपने मोटापे और रक्तचाप पर ध्यान रखना चाहिए। अगर कुछ नियमित जांच होती रहे, तो समय रहते हृदय रोग का पता चल जाता है। हृदय में कोई समस्या पैदा होती है, तो वह हमें सचेत करता है। मगर ज्यादातर लोग दिल के संकेत को नजरअंदाज कर देते हैं। पीठ, हाथ जबड़े या कंधे में दर्द हो, तो समझिए कि ये संकेत हैं। सीने में भारीपन के साथ दर्द हो और सांस लेने में परेशानी हो रही हो, तो यह बड़ा संकेत है। कमजोरी महसूस होना और चक्कर आना गंभीर लक्षण है। अगर किसी की मदद के बिना आप खड़े हो जाते हैं और चलने पर सांस नहीं फूलती, तो इसका मतलब है कि दिल ठीक से काम कर रहा है।

दुष्प्रभाव की वजहें

आजकल ऐसे लोग भी हृदय रोग का शिकार हो रहे हैं जो स्वस्थ रहने के लिए जिम जाते हैं। आखिर इसकी क्या वजह है। दरअसल, जिम जाने वाले अधिकतर लोग प्रोटीन के अलावा कई पूरक आहार लेते हैं जिसकी जरूरत नहीं होती। वहीं शारीरिक सौष्ठव के लिए कई लोग अनावश्यक इंजेक्शन भी ले रहे हैं जिसका पूरे शरीर पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ता है। हृदय पर भी स्वाभाविक रूप से प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। समस्या यह है कि इन दिनों जिम जा रहे लोग यह नहीं देखते कि उनका शरीर कितना दबाव सह सकता है। अपनी उम्र और वजन को ध्यान में रखते हुए चिकित्सक से अवश्य परामर्श करना चाहिए कि इससे उनके दिल पर प्रभाव तो नहीं पड़ेगा।

बचाव के रास्ते

दिल को स्वस्थ रखना कोई मुश्किल नहीं है। स्वस्थ जीवन शैली अपना कर हृदय को स्वस्थ रखा जा सकता है। यथासंभव तनाव से दूर रहें। शराब और सिगरेट पीने से बचें। रक्त शर्करा और रक्तचाप को नियंत्रण में रखें। अपने आहार में जितना संभव हो हरी सब्जियां और ताजे फल शामिल करें। भोजन में नमक की मात्रा को कम कर देना चाहिए। साबुत अनाज को पका कर दिल के मरीज को दिया जा सकता है। हेल्दी फैट के लिए मछली और बादाम ले सकते हैं। योगाभ्यास करने से भी हृदय स्वस्थ रहता है।

(यह लेख सिर्फ सामान्य जानकारी और जागरूकता के लिए है। उपचार या स्वास्थ्य संबंधी सलाह के लिए विशेषज्ञ की मदद लें।)

शिष्टाचार का सिकुड़ता दायरा

जीवन शैली

अनुशासन और शिष्टाचार एक अच्छे तथा सुखी जीवन का आधार हैं। जीवन में सफलता, शांति और समृद्धि हासिल करने में इन दोनों का अहम योगदान होता है। अनुशासन हमें नियम, सिद्धांतों और समय का पाबंद होना सिखाता है, जबकि शिष्टाचार हमारी बोलचाल और अच्छे व्यवहार से सबका आदर-सम्मान करने की सीख देता है। मगर, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और डिजिटल तकनीक के दौर में परिवार के स्तर पर अच्छे आचरण तथा सही मार्गदर्शन का अभाव साफ देखा जा रहा है। घर और विद्यालय में शिष्टाचार सिखाने की अक्सर अनदेखी की जाती है, जिसके परिणामस्वरूप बच्चे जीवन के इन बुनियादी सिद्धांतों को जानने-समझने और उन्हें आत्मसात करने से वंचित रह जाते हैं।

सम्मान की कुंजी

अनुशासन एवं शिष्टाचार अच्छी शिक्षा का प्रतिबिंब होते हैं और ये दूसरों पर व्यक्तित्व का अच्छा प्रभाव डालने में सहायक होते हैं। हमारे पारंपरिक समाज में बचपन से ही परिवार और विद्यालयों के स्तर पर शिष्टाचार सिखाया जाता रहा है। सभ्य समाज में सभी को एक बात में निपुण होना चाहिए और वह है एक अच्छा इंसान बनना, जो तभी संभव है जब हम जीवन में अनुशासन और शिष्टाचार के महत्त्व को समझें। किसी व्यक्ति को सम्मान उसकी दौलत से नहीं, बल्कि अनुशासन और शिष्टाचार से मिलता है। एक आकर्षक व्यक्तित्व के निर्माण के लिए ये दोनों गुण अत्यंत आवश्यक हैं। अच्छे गुणों से युक्त व्यक्ति अपने अंदाज से हर किसी का दिल जीत सकता है। शिष्टाचार और उचित व्यवहार हमारे समाज में पहले से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण हैं, चाहे वह विद्यालयों में हो, सामाजिक परिवेश में हो, घर पर या सार्वजनिक स्थानों पर हो।

सुसंस्कृत और सभ्य

शालीनता, शिष्टता, कृतज्ञता, विनम्रता और दयालुता शिष्टाचार के तत्त्व हैं। इन गुणों से संपन्न व्यक्ति को सुसंस्कृत और सभ्य माना जाता है। शिष्टाचार हमारे दैनिक जीवन में दूसरों के साथ बातचीत में झलकता है, जैसे कि जब हम अपने दोस्तों या रिश्तेदारों से मिलते हैं, फोन पर बात करते हैं और जिस तरह से हम एक-दूसरे के साथ व्यवहार करते हैं। विनम्रतापूर्वक धन्यवाद कहना, गलती करने या अनजाने में किसी को ठेस पहुंचाने पर क्षमा मांगना, हर काम को सही समय पर करना और बुरी आदतों से दूरी, ये सब अनुशासन और शिष्टाचार के तत्त्व हैं। यही नहीं, अपने आस-पास और वातावरण को साफ रखना भी अच्छे शिष्टाचार का प्रतीक है।

> *सभ्य समाज में सभी को एक बात में निपुण होना चाहिए और वह है एक अच्छा इंसान बनना, जो तभी संभव है जब हम जीवन में अनुशासन और शिष्टाचार के महत्त्व को समझें।*

चरित्र का विकास

याद रखना चाहिए कि विद्यालय हो, दफ्तर या खेल का मैदान हो, हर जगह अनुशासित व्यक्ति को ही सबसे ज्यादा सम्मान मिलता है। मगर, वक्त के साथ अनुशासन और शिष्टाचार का दायरा लगातार सिकुड़ता जा रहा है। कुछ लोग इसके लिए पारिवारिक संबंधों में आए बदलावों को दोषी ठहराते हैं, तो कुछ इसे डिजिटल तकनीक के अत्यधिक उपयोग के दुष्प्रभाव के रूप में देखते हैं। परिवार के बड़े लोगों के पास अब बच्चों के लिए समय का अभाव है। बच्चों को जो चीजें मूल रूप में अपने माता-पिता या परिवार के अन्य सदस्यों से सीखनी होती थी, वे अब उन्हें मोबाइल फोन या लैपटाप की स्क्रीन पर विरूपित रूप में मिलती है। इसलिए जरूरी है कि विद्यालयों और पारिवारिक परिवेश में शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों, सद्गुणों और चरित्र विकास पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

चटपटा और खुशबूदार जायका

रसोई

ब्रेड पोहा

नाश्ते में कुछ चटपटा खाने का मन हो, तो ब्रेड पोहा एक बेहतर विकल्प है। यह झटपट तैयार हो जाता है और इसका स्वाद भी मजेदार होता है। इसमें हरी सब्जी का इस्तेमाल होता है, इसलिए यह स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है।

सामग्री

सफेद ब्रेडः पांच-छह, शिमला मिर्चः एक, राईः आधा चम्मच, कढ़ी पत्ताः दो-तीन चम्मच, प्याजः एक, हरी मिर्चः दो-तीन, टमाटरः दो, जीराः एक चम्मच, अदरकः एक इंच, गरम मसाला पाउडरः आधा चम्मच, नमकः स्वादानुसार।

विधि

शिमला मिर्च को धोकर बारीक काट लें। फिर प्याज और अदरक को काटकर उसका पेस्ट तैयार कर लें। इसके बाद तवे पर देसी घी डालें और ब्रेड को दोनों तरफ से सेंकें। फिर ब्रेड को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर एक तरफ रख दें। अब एक कड़ाही में तेल गरम करें। उसमें राई और कढ़ी पत्ता डालकर हल्का सा भूनें। इसमें प्याज-अदरक का पेस्ट और बारीक कटी हुई हरी मिर्च डालें। इन सभी को लाल सुनहरा रंग आने तक भूनें। इसमें बारीक कटे हुए टमाटर डालें और धीमी आंच पर ढक्कन लगाकर नरम होने तक पकाएं। इसके बाद हल्दी, मिर्च पाउडर और नमक डालें। अब इसमें शिमला मिर्च मिलाएं और धीमी आंच पर पकाएं। ध्यान रहे कि इसे ज्यादा न पकाएं, ताकि इसमें थोड़ा कच्चापन रह जाए। इसके बाद तवे पर सेंके गए ब्रेड के टुकड़े इसमें डाल दें। इन्हें चम्मच की मदद से धीरे-धीरे मिलाएं, ताकि ब्रेड के टुकड़े टूटे नहीं। अब कड़ाही पर ढक्कन रखकर आंच धीमी कर दें और एक-दो मिनट तक पकाएं, ताकि ब्रेड के टुकड़े मसालों को अवशोषित कर लें। अब ब्रेड पोहा बनकर तैयार है। इसमें हरा धनिया और नींबू का रस मिलाकर परोसें।

अरबी की कढ़ी

अरबी की सब्जी बनाने के कई तरीके हैं, लेकिन इसकी कढ़ी का अपना ही स्वाद होता है। यह तरीदार होती है और हाजमे को दुरुस्त रखती है। इसे बनाना भी आसान है। ग्रामीण इलाकों में इसे खूब पसंद किया जाता है।

सामग्री

अरबीः 300-400 ग्राम, दहीः दो कप, प्याजः एक, लहसुनः तीन-चार कलियां, हरी मिर्चः दो-तीन, अजवाइनः आधा चम्मच, हींगः एक चुटकी, जीराः एक चम्मच, अदरकः एक इंच, गरम मसाला पाउडरः एक चम्मच, नमकः स्वादानुसार।

विधि

सबसे पहले अरबी को अच्छी तरह धो लें और फिर इसे कुकर में उबालें। ठंडा होने पर इसके छिलके निकालकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। अब प्याज, लहसुन, अदरक और हरी मिर्च को बारीक काटकर एक थाली में रख लें। इसके बाद कड़ाही में तेल गरम कर उसमें जीरा, तेज पत्ता, लौंग और अजवाइन हल्का सा भूनें। फिर कटा हुआ प्याज तथा लहसुन उसमें डाल दें और हल्का सुनहरा रंग आने तक भूनें। इसके बाद इसमें हींग, हल्दी और धनिया पाउडर डालें। इन्हें चम्मच की मदद से अच्छी तरह मिला लें और कटी हुई हरी मिर्च तथा अदरक भी डाल दें।

इसे धीमी आंच पर भूनें और फिर इसमें अरबी डाल दें। साथ ही नमक, लाल मिर्च पाउडर और गरम मसाला डालकर इसे करछी से पलटते हुए मिला लें। इसे मध्यम आंच पर तब तक पकाएं, जब तक कि अरबी तले में चिपकने न लगे। अब इसमें दही तथा कसूरी मेथी डालें और धीमी आंच पर ढक्कन रखकर दो से तीन मिनट तक पकाएं। अंत में इसमें बारीक कटा हुआ हरा धनिया डालकर आंच बंद कर दें। अब अरबी की कढ़ी बनकर तैयार है। इसे चपाती, नान या चावल के साथ परोसा जा सकता है।

अगले माह होगा दिल्ली गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली गोल्फ क्लब में 15 से 18 अक्टूबर तक डीपी वर्ल्ड इंडिया गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन किया जाएगा। 40 लाख डॉलर इनामी राशि वाला ये टूर्नामेंट वैश्विक गोल्फ कैलेंडर में एक अहम स्थान रखता है। ऐसे में इसका आयोजन देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इसमें दुनिया भर के बड़े स्टार खिलाड़ी खेलते दिखेंगे। इसमें भारत की ओर से शुभंकर शर्मा और अनिर्बान लाहिड़ी चुनौती पेश करेंगे। इन दोनो का ही लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर विश्वस्तरीय दिग्गजों के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा।

रॉबिन्सन ने तीसरे टेस्ट में बनाये दो बड़े रिकार्ड

एजबेस्टन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन ही दो बड़े रिकार्ड अपने नाम किये हैं। रॉबिंसन ने जहां टेस्ट क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे किए। वहीं 112 साल में 100 या उससे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले सबसे बेहतर औसत वाले गेंदबाज भी बने हैं। इसी के साथ ही रॉबिंसन ने औसत के मामले में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी पीछे छोड़ दिया है। रॉबिन्सन ने यह उपलब्धि पाकिस्तान की पारी के पहले ही ओवर में उस समय हासिल कर ली जब उन्होंने सलामी बल्लेबाज सइम अयूब को एलबीडब्ल्यू आउट कर अपना 100वां टेस्ट लिया। इस प्रकार रॉबिनसन ने अपना 100 वां टेस्ट विकेट लिया।

विराट के वन8 ब्रांड का क्रेज पाकिस्तान में भी छाया

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली खेल के साथ ही कारोबार में भी माहिर हैं। विराट ने हाल ही में अपने निजी ब्रांड वन 8 को बढ़ावा देते हुए जूतों की एक नई श्रृंखला बाजार में उतारी थी, जिसे भारत में ही नहीं पाकिस्तान में भी काफी पसंद किया जा रहा है। यहां तक कि दुबई में जारी महिला एशिया कप में खेल रही। पाकिस्तानी महिला टीम की कई खिलाड़ियों को भी इसी वन8 सीरीज के जूते पहने देखा गया है। सोशल मीडिया पर जैसे ही ये तस्वीरें वायरल हुईं। पाकिस्तान और हांगकांग के बीच हुए मैच में खेल से ज्यादा खिलाड़ियों के जूतों पर बातें हुईं।

क्रिकेट जगत ने 154वीं जयंती पर रणजीतसिंह को याद किया

मुम्बई। भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर महाराजा कुमार रणजीतसिंह, जिन्हें भारतीय क्रिकेट का पितामह माना जाता है उनकी आज 154 वीं जयंती है। जिसके कारण उन्हें खेल जगत ने याद किया। रणजीत सिंह के सम्मान में ही देश का सबसे बड़ा घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी शुरु किया गया था जो आज तक चल रहा है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में रोहित हैं सबसे कम गेंदों में शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज

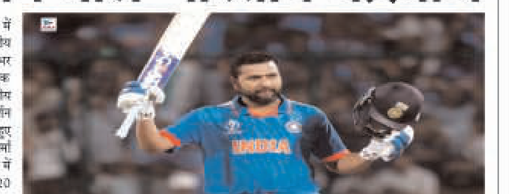

मुम्बई। पिछले कुछ साल में दुनिया भर में टी20 क्रिकेट तेजी से बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के साथ ही टी20 लीग भी दुनिया भर में खेली जा रही हैं। इसमें कई क्रिकेटरों ने एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाये हैं। भारतीय बल्लेबाजों ने भी टी20 प्रारुप में अपने प्रदर्शन से कई रिकार्ड बनाये हैं। आज जहां उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा अपनी तूफानी बल्लेबाजी के कारण इस प्रारुप में स्टार बनकर उभरे है। इसके बाद भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम गेंदों में शतक का रिकार्ड भारत की ओर से आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के नाम है। हिटमैन के नाम से लोकप्रिय रोहित ने केवल मात्र 35 गेंदों में यह शतक लगाया था।

रोहित ने ये शतक साल 2017 में श्रीलंका के खिलाफ इंदौर में लगाया था जो आज तक नहीं टूटा है।

उस मुकाबले में उन्होंने श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर पिटाई करते हुए सिर्फ 35 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया था। यह पूर्ण कालिक सदस्य देशों के खिलाड़ियों द्वारा लगाए गए टी20 अंतराष्ट्रीय शतकों के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे तेज शतक है। उनसे पहले जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा और न्यूजीलैंड के फिन एलन ने 33-33 गेंदों में शतक लगाये थे। रोहित ने अपनी उस पारी में कुल 43 गेंदों का सामना करते हुए 118 रन बनाए थे, जिसमें 12 शानदार चौके और 10 छक्के शामिल थे। उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए केवल 12.4 ओवर में 165 रनों की रनों की साझेदारी की थी।

पिछले नौ साल में कोई भी भारतीय बल्लेबाज इस रिकॉर्ड को तोड़ने में सफल नहीं रहा। अभिषेक इस रिकॉर्ड के सबसे करीब पहुंचे थे, जब उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 37 गेंदों में शतक बनाया था। अभिषेक ने उस मैच में 54 गेंदों में 135 रनों की आक्रामक पारी खेली थी, जिसमें 7 चौके और 13 छक्के शामिल थे हालांकि यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी है, और यह रिकॉर्ड आज भी अभिषेक के नाम है। इसके अलावा, संजू सैमसन ने 40 गेंदों में, तिलक वर्मा ने 41 गेंदों में और ईशान किशन ने 42 गेंदों में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाए हैं। सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल और कई अन्य भारतीय बल्लेबाजों ने भी 50 से कम गेंदों में शतक लगाये हैं। इसके बाद भी रोहित शर्मा का 35 गेंदों का रिकॉर्ड आज भी बना हुआ है। यह दिखाता है कि रोहित आज भी भारत के नंबर एक बल्लेबाज हैं।

टी20 के विस्तार से एकदिवसीय प्रारुप खतरे में पड़ा : पोंटिंग

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि जिस प्रकार से दुनिया भर में टी20 लीग का दबदबा बढ़ रहा है उससे एकदिवसीय क्रिकेट का अस्तित्व खतरे में आ गया है। पोंटिंग के अनुसार इन लीगों के बढ़ने से अब एकदिवसीय मुकाबलों के प्रति आकर्षण घट रहा है। जिससे अधिक से अधिक क्रिकेटर अब टी20 प्रारुप में ही खेलना चाहते हैं। उनका मानना है कि इन लीगों का इसी प्रकार से विस्तार होता रहा तो क्रिकेट कैलेंडर से 50 ओवर का प्रारुप धीरे-धीरे अपनी जगह खो सकता है। पोंटिंग को आशंका है कि आने वाले वर्षों में जैसे-जैसे अधिक टी20 लीग उभरेंगी, एकदिवसीय क्रिकेट कम से कम खेला जाएगा।

पोंटिंग ने कहा, जैसे-जैसे महीने और साल बीतेंगे और दुनिया भर में अधिक से अधिक टी20 क्रिकेट खेला जाएगा तथा अधिक फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट शुरु होंगे, वैसे-वैसे 50 ओवर के टूर्नामेंट कम हो जाएंगी। विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस फ्रेंचाइजी के सह-मालिक पोंटिंग का यह बयान खेल के पारंपरिक प्रारुपों के भविष्य को लेकर बढ़ती चिंता को दिखाता है।

हालांकि, पोंटिंग का मानना है कि जब तक भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और शायद दक्षिण अफ्रीका जैसे बड़े चार प्रमुख क्रिकेट खेलने वाले देश टेस्ट क्रिकेट में निवेश करते रहेंगे, तब तक यह प्रारुप बना रहेगा। उन्होंने कहा, मुझे एकदिवसीय में खेलना पसंद है पर कहीं ना कहीं कुछ तो छोड़ना ही होगा। उन्होंने कहा कि जब तक भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और शायद दक्षिण अफ्रीका टेस्ट क्रिकेट तब तक टेस्ट क्रिकेट मजबूत रहेगा। टी20 लीग की बढ़ती संख्या और क्या इससे खिलाड़ियों के लिए अंततः बहुत अधिक क्रिकेट हो सकता है, इसपर पोंटिंग ने स्वीकार किया कि बढ़ती फ्रेंचाइजी प्रतियोगिताओं के लिए क्रिकेट कैलेंडर में जगह बनानी ही होगी। उन्होंने कहा कि इन लीगों का वित्तीय आकर्षण खिलाड़ियों के लिए भी बहुत बड़ा है। पोंटिंग के ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व साथी डेविड वार्नर का मानना है कि क्रिकेट अंत में क्लब फुटबॉल जैसे मॉडल की ओर बढ़ सकता है, हालांकि उनके अनुसार इसके रास्ते में कई बाधाएं हैं।

भारत की मोना ने रजत के साथ हासिल किया ओलंपिक कोटा, अवनी को कांस्य

विश्व निशानेबाजी पैरा स्पोर्ट चैंपियनशिप

सियोल। दक्षिण कोरिया के चांगवोन में जारी विश्व निशानेबाज पैरा स्पोर्ट चैंपियनशिप में भारतीय टीम की मोना अग्रवाल को रजत जबकि अवनी लेखरा को कांस्य पदक मिला है। मोना को रजत के साथ ही लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए भी कोटा मिला है। मोना ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक के साथ लॉस एंजिल्स 2028 पैरालिंपिक के लिए देश को एक कोटा भी दिला दिया। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में सर्बिया की 22 साल की क्रिस्टीना ट्रिफुनोविक ने 250.2 के स्कोर के साथ ही स्वर्ण पदक जीता। मोना अग्रवाल ने उन्हें कड़ी टक्कर दी थी पर वह 250.0 के मामूली अंतर से स्वर्ण पदक हासिल नहीं कर पायीं। अवनी लेखरा ने 229.4 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

मोना अग्रवाल के करियर का पहला विश्व चैंपियनशिप पदक है। इससे पहले, उन्होंने पिछले साल इसी चांगवोन रेंज पर आयोजित विश्व कप में रजत पदक जीता था। मोना के लिए यह कोटा हासिल करना इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे उन्हें अगले पैरालिंपिक खेलों में प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। अवनी ने यहां चार साल बाद वापसी करते हुए पदक जीता। वह लीमा 2023 में नहीं खेल पाई थीं।

हर्षित की जगह यश ठाकुर अफगानिस्तान सीरीज और एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल किये गये - बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा के फिट नहीं होने से युवा यश ठाकुर को अफगानिस्तान सीरीज के साथ ही एशियाई खेलों के लिए भी भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई के अनुसार हर्षित अभी तक अपनी चोट से नहीं उबर पाये हैं जिसको देखते हुए उनकी जगह पर विदर्भ के तेज गेंदबाज यश ठाकुर को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इस प्रकार देखा जाये तो राणा के फिट नहीं होने से यश को सुनहरा अवसर मिला है। अब देखना है कि वह इसका कितना लाभ उठा पाते हैं। बोर्ड के अनुसार राणा बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में अपने रिहैब प्रोग्राम के दौरान तेजी से उबर रहे थे। हालांकि, 7 सितंबर को एक मैच सिमुलेशन सेशन के दौरान गेंदबाजी करते समय उन्हें 'रेक्टस फेमोरिस' में खिंचाव (स्ट्रेन) आ गया। इस नई चोट के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से दोनों महत्वपूर्ण आयोजनों से बाहर कर दिया गया है। हर्षित राणा के लिए यह एक बड़ा झटका है, खासकर जब वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे। गौरतलब है कि भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का पहला मैच 13 सितंबर को खेला जाएगा, जबकि बाकी मैच 15 और 17 सितंबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित होंगे। इसके बाद भारतीय टीम एशियन गेम्स 2026 में भी हिस्सा लेगी, जहां क्रिकेट इवेंट में भी भारत अपनी दावेदारी पेश करेगा। इन दोनों ही बड़े मंचों पर हर्षित की तेज गेंदबाजी की कमी महसूस की जाएगी पर अब यश ठाकुर के पास अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने रखने का सुनहरा अवसर है।27 वर्षीय यश घरेलू क्रिकेट में विदर्भ का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने हाल ही में जुलाई में भारत के जिम्बाब्वे दौरे पर अपना टी20 डेब्यू किया था। उन्होंने उस सीरीज में खेले गए दो मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल चार विकेट हासिल किए थे, जिससे चयनकर्ताओं का ध्यान उनकी ओर आकर्षित हुआ था। सिर्फ अंतरराष्ट्रीय ही नहीं, घरेलू स्तर पर भी यश का रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। उन्होंने 50 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैचों में 7.04 की बेहतरीन इकॉनमी रेट से कुल 81 विकेट झटके हैं। यह आंकड़े उनकी काबिलियत और छोटे फॉर्मेट में उनकी उपयोगिता को दर्शाते हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारत की संशोधित टीम- श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उपकप्तान), शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती।

पाक टीम का खराब प्रदर्शन जारी,रिकॉर्ड टूटने से बचा

बर्मिंघम। इंग्लैंड दौरे में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का खराब प्रदर्शन जारी है। यहां तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी पाक टीम की बल्लेबाज ध्वस्त हो गयी।यहां तक कि खराब बल्लेबाजी का एक रिकार्ड टूटते-टूटते बचा। इस मुकाबले में मेजबान टीम इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पाक को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था पर पाक टीम रन बनाने में असफल रही और 33.5 ओवर में केवल 133 रन ही बना पायी। पाकिस्तान की यह पारी इतनी तेजी से सिमटी कि एक 16 साल पुराना सबसे छोटी पारी का शर्मनाक रिकॉर्ड टूटते-टूटते रह गया।

सलामी बल्लेबाज सैम अयूब शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये जबकि अजान अवैस ने 9 और अब्दुल्लाह शफीक ने 3 रन बनाये। शान मसूद भी 5 रन ही बना पाये इस खराब प्रदर्शन से पाक टीम ने पहले 10 ओवर के अंदर ही अपने चार विकेट केवल 26 रन पर ही खो दिए। इसके बाद कप्तान बाबर आजम भी 7 रन बनाकर जोश टंग की गेंद पर आउट हुए। इससे पाक टीम ने 48 रनों पर ही 5 विकेट खो दिये। पाक की ओर से सऊद शकील ही 47 गेंदों पर 7 चौकों की सहायता से 43 रन बना पाये पर उन्हें दूसरे छोर से कोई खास साथ नहीं मिला। गाजी घोरी 4, मोहम्मद इमरान 5 और राजाउल्लाह 11 रन बनाकर आउट हुए। सऊद शकील भी 43 रन पर जोश टंग की गेंद पर बोल्ड हो गए। पूरी टीम 133 रन पर सिमट गई।

पाक की 33.5 ओवर की यह पारी इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में उसकी तीसरी सबसे छोटी पारी है। इससे छोटी दो पारियां साल 2010 में नॉटिंघम में 29 ओवर में 80 रन और लॉर्ड्स में 33 ओवर में 74 रन पर सिमटने वाली रही थीं। इस प्रकार, एजबेस्टन में टीम 33.5 ओवर तक टिकने में कामयाब रही और यह शर्मनाक रिकॉर्ड टूटने से बच गया,

इंग्लैंड की गेंदबाजी में जोश टंग ने 4 विकेट झटके।

ओली रॉबिन्सन ने भी 3 विकेट अपने नाम किए। यह रॉबिन्सन का टेस्ट क्रिकेट में 100वां विकेट भी था। जोफ्रा आर्चर ने भी 3 विकेट लेकर पाकिस्तानी बल्लेबाजों की कमर तोड़ी। पाकिस्तान को 133 रन पर समेटने के बाद इंग्लैंड की शुरुआत भी उतनी मजबूत नहीं रही, जिसने 39 रन पर अपने तीन विकेट गंवा दिए। हालांकि, एमिलियो गे ने 60 और हैरी ब्रूक ने नाबाद 52 रन बनाकर पारी को संभाला।

जूनियर महिला हॉकी एशिया कप में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 19-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

मोकी। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने एशिया कप के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 19-0 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया है। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही शानदार आक्रामक खेल दिखाते हुए पाक को खुलकर खेलने का कोई अवसर नहीं दिया। भारतीय टीम ने सातवें मिनट में ही

पूजा साहू के गोल से 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इसके दो मिनट बाद ही रोशनी ऐक्का ने एक गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद तो गोलों की बरसात कर अगले पांच मिनट में चार और गोल दाग दिए, इससे पाक टीम पूरी तरह से दबाव में आ गई।

तनुश्री दिनेश काद्रू ने 11वें मिनट में, सुखवीर कौर ने 13वें मिनट में और सानिका चंद्रकांत माने ने भी 13वें मिनट में गोल दागे। वहीं मधु सिदार और गीता यादव ने भी गोल कर टीम की बढ़त को और बढ़ा दिया। सानिका माने ने 23वें मिनट में अपना दूसरा गोल दाग दिया। इस प्रकार पहले ही हाफ में भारतीय टीम ने अजेय बढ़त बना ली। इसके बाद तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने भी गोल करके टीम की बढ़त को बढ़ा दिया। 33वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने भी गोल किये। जिससे भारत ने हाफ-टाइम तक 10-0 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी। दूसरे हाफ की शुरुआत के बाद भी भारतीय टीम का आक्रमण जारी रहा।

39वें मिनट में मधु सिदार ने अपना दूसरा गोल किया, सुप्रिया ने भी मैच का अपना पहला गोल किया। पूजा मलिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 49वें और 51वें मिनट में लगातार दो गोल कर हैट्रिक लगायी। भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान को पूरे मैच में वापसी का कोई अवसर नहीं दिया। कृष्णा शर्मा और विनिमा धन ने भी गोल किए, जिससे टीम की बढ़त लगातार बढ़ती गई। सुप्रिया ने 54वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया, जबकि रोशनी ने मैच के अंतिम मिनट में अपना दूसरा गोल किया। इस प्रकार भारत ने पाक पर 19-0 की बड़ी जीत साहिल की।

भारतीय टीम ने ग्रुप चरण में भी इस प्रकार से खेला था। भारतीय टीम ने जापान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया जैसी मजबूत टीमों को हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था, जिससे उसकी मजबूत दावेदारी पहले ही स्पष्ट हो गई थी। अब भारतीय टीम सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले दूसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले के विजेता से खेलेगी।

6 अटूबर को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी करेंगे पांड्या !

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अगले माह 6 अक्टूबर से खेल में वापस करेंगे। बीसीसीआई के अनुसार पंड्या अगर फिट हुए तो 6 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में इंडिया ए टीम की ओर से उतरेंगे। पांड्या फिट नहीं होने के कारण लंबे समय से टीम से बाहर हैं, ऐसे में उनकी वापसी की अटकलों से प्रशंसकों में उत्साह की लहर दौड़ गयी है।

बोर्ड ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा की थी। इसमें पांड्या का नाम भी शामिल था। गौरतलब है कि पांड्या ने साल 2018 के बाद से ही कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। पिछले आठ साल में सफेद गेंद क्रिकेट में उन्होंने अपने को विश्व के शीर्ष तेज-गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में साबित किया है पर लगातार चोटिल होने के कारण वह टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। टी20 विश्व कप के बाद से टीम से बाहर हैं। कुछ दिन पहले ही बताया गया था कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) उन्हें फिटनेस क्लीयरेंस देने के करीब है पर तभी अचानक एक और बुरी खबर आई कि ट्रेनिंग के दौरान उन्हें फिर से पैर में चोट लग गई थी। इसी वजह से उन्हें अफगानिस्तान सीरीज से बाहर कर दिया गया। अब ऑस्ट्रेलिया ए सीरीज में शामिल किये जाने पर उनकी उम्मीदें टिकी हैं।

ऑस्ट्रेलिया ए का भारत दौरा 22 सितंबर से शुरू होगा, दोनों टीमों के बीच पहले दो मल्टी-डे मैच खेले जाएंगे। हार्दिक इन फर्स्ट-क्लास मैचों का हिस्सा नहीं होंगे, बल्कि उनकी वापसी एकदिवसीय मुकाबले से होगी जो मंगलवार, 6 अक्टूबर से शुरू होगी। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए इंडिया ए स्क्वाड का एलान किया था, जिसमें 15 खिलाड़ियों की सूची में हार्दिक पांड्या का नाम भी शामिल रहा। इस आगामी वनडे सीरीज में इंडिया ए की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ करेंगे जबकि देवदत्त पडिक्कल को उपकप्तान बनाया गया है।

ताहिर टी20 क्रिकेट में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बने

जमैका। दक्षिण अफ्रीकी लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने 47 साल की उम्र में भी टी20 क्रिकेट में एक रिकार्ड बनाकर सभी को हैरान कर दिया है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के आठ साल बाद भी जिस प्रकार से ताहिर ने खेला है उससे सभी हैरान हैं। हाल ही में ताहिर इस प्रारुप में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बने हैं। उन्होंने यह ऐतिहासिक उपलब्धि कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में गुयाना वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए हासिल की। सेंट लूसिया किंग्स के खिलाफ हुए मुकाबले में ताहिर ने अपने चार ओवरों में केवल 17 रन देकर पांच विकेट लिए। सीपीएल 2026 टूर्नामेंट के 31वें मैच में सेंट लूसिया किंग्स और गुयाना वॉरियर्स के बीच हुए मुकाबले में सेंट लूसिया किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट के नुकसान पर 54 रन बना लिए थे और वह एक मजबूत स्कोर की ओर बढ़ रही थी। तभी इमरान ताहिर ने अपनी स्पिन के जादू से विरोधी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर दिया। ताहिर ने अपनी फिटनेस और कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपने स्पेल के चारों ओवर बिना किसी ब्रेक के लगातार फेंके। उनकी सटीक लाइन और लेंथ के सामने सेंट लूसिया के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। उन्होंने प्रत्येक ओवर में कम से कम एक विकेट लेकर विरोधी टीम को ध्वस्त किया। उन्होंने केवल 17 रन देकर पांच अहम विकेट लिए।

इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही, 47 साल और 166 दिन की उम्र में इमरान ताहिर टी20 क्रिकेट में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्र दराज गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इसी के साथ ही कुक आइलैंड के टोमाकानुटे रिटावा का रिकॉर्ड तोड़ा है। टोमाकानुटे ने साल 2022 में फिजी के खिलाफ 46 साल और 299 दिन की उम्र में ये रिकार्ड बनाया था। ताहिर का यह रिकॉर्ड उनकी निरंतरता और खेल के प्रति उनके जुनून को दिखाता है।

डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाये जाने पर एशियाई खेलों से बाहर हुए पहलवान दीपक

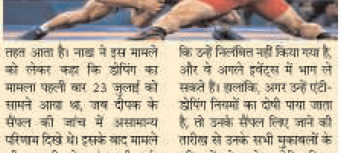

नई दिल्ली। जापान में 19 सितंबर से पहले होने वाले एशियाई खेलों से पहले भारत को करारा झटका लगा है। भारत के एक पदक दावेदार पहलवान दीपक डोप जांच में पॉजिटिव पाये जाने के बाद खेलों से बाहर हो गये हैं। नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) के अनुसार दीपक के यूरिन सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ क्लोमिफीन पाया गया है, जिसके कारण भारतीय दल से बाहर कर दिया गया है।गौरतलब है कि यह पहला अवसर नहीं है, जब डोपिंग के कारण किसी भारतीय पहलवान को एशियाई खेलों से बाहर किया गया है। इससे पहले मुकुल दहिया और दीपांशु भी डोप जांच में पॉजिटिव पाये जाने के बाद बाहर हो गये थे।। नाडा के अनुसार चयन ट्रॉयल के दौरान लिए गए दीपक के यूरिन सैंपल में क्लोमिफीन पाया गया। नाडा के अनुसार ये यह ड्रग हार्मोन और मेटाबॉलिक मॉड्यूलेटर की श्रेणी एस4 के तहत आता है। नाडा ने इस मामले को लेकर कहा कि डोपिंग का मामला पहली बार 23 जुलाई को सामने आया था, जब दीपक के सैंपल की जांच में असामान्य परिणाम दिखे थे। इसके बाद मामले की गहराई से जांच की गई। क्लोमिफीन एक ऐसा पदार्थ है जिसका इस्तेमाल आमतौर पर बांझपन के इलाज के लिए किया जाता है।दीपक ने पिछले महीनों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था, जिसके बल पर उन्हें भारतीय दल में शामिल किया गया था। दीपक के बाहर होने से भारत को खेलों की शुरुआत से पहले ही झटका लगा है। दीपक के लिए राहत की बात ये है कि उन्हें निलंबित नहीं किया गया है, और वे अगले इवेंट्स में भाग ले सकते हैं। हालांकि, अगर उन्हें एंटी-डोपिंग नियमों का दोषी पाया जाता है, तो उनके सैंपल लिए जाने की तारीख से उनके सभी मुकाबलों के परिणामों को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि दीपक को एशियन गेम्स से बाहर करने का एक बड़ा कारण भारी जुर्माने से बचना भी है। यदि दीपक को एशियाई खेलों के दौरान डोपिंग में पॉजिटिव पाया जाता, तो यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग उन पर 20 लाख रुपये तक का भारी जुर्माना लगा सकता था।